संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -180 मंगलवार ,02 मई 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

देशद्रोह कानून को अमल में लाएगा केंद सरकार

देशद्रोह कानून में बदलाव के लिए मानसून सत्र में प्रस्ताव लाएगी केंद्र सरकार!

» एससी से कहा- अंतिम चरण में समीक्षा

नई दिल्ली,01मई 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई सोमवार को स्थगित कर दी। सुनवाई के स्थगित होने का मुख्य कारण केंद्र की वो दलील रही, जिसमें उसने कहा कि वो दंडात्मक प्रावधान आईपीसी की धारा 124ए की समीक्षा के अंतिम चरण में है।

कानून की समीक्षा अंतिम चरण में: केंद्र

दलीलें देते हुए केंद्र ने दंडात्मक प्रावधान की संवैधानिक वैधता को भी चुनौती दी। केंद्र का पक्ष रखते हुए वेंकटरमणि ने कहा कि परामर्श प्रक्रिया अग्रिम चरण में है और इसके संसद में जाने से पहले सुप्रीम कोर्ट को दिखाया जाएगा। उन्होंने पीठ से आगे आग्रह किया कि कृपया मामले को संसद के मानसून सत्र के बाद आगे की सुनवाई के लिए पोस्ट किया जाए। इस बात से माना जा रहा है कि सरकार मानसून सत्र के बाद कानून में बदलाव का प्रस्ताव ला सकती है, जिसके लिए उसने कोर्ट से समय मांगा है।

अगस्त में होगी अगली सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पर्दीवाला की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी की दलील पर गौर किया कि सरकार ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124ए की फिर से जांच करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई अगस्त के दूसरे सप्ताह में मुकर्रर की।

मामले में सात न्यायाधीशों की पीठ गठित करने की मांग

सुनवाई की शुरुआत में वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने पीठ से मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए सात न्यायाधीशों की एक पीठ गठित करने का आग्रह किया। बेंच ने कहा कि अगर मामला सात जजों के पास भी जाना है तो पहले इसे पांच जजों की बेंच के सामने रखना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून पर लगाई रोक

पिछले साल 11 मई को एक ऐतिहासिक आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह के इस दंडात्मक कानून को तब तक के लिए रोक दिया था जब तक कि एक ÷उचित÷ सरकारी पैनल इसकी फिर से जांच नहीं करता। अदालत ने इसी के साथ केंद्र और राज्यों को तब तक देशद्रोह का कोई भी नया मामला दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया।

क्या है देशद्रोह का कानून

बता दें कि देशद्रोह कानून के अनुसार, सरकार के प्रति असंतोष पैदा वाले व्यक्ति को आईपीसी की धारा 124 ए के तहत 3 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। यह कानून स्वतंत्रता से 57 साल पहले और आईपीसी के अस्तित्व में आने के लगभग 30 साल बाद 1890 में दंड संहिता में लाया गया था।

लुधियाना गैस लीक घटना पर पीएम मोदी ने जताया दुख

» मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख देने की घोषणा

लुधियाना,01मई2023(ए)। लुधियाना के गियासपुरा इलाके में कथित रूप से जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन बच्चों सहित 11 लोगों की मौत के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने दो दिन पहले 29 अप्रैल को भिवंडी में इमारत ढहने की घटना पर भी दुख व्यक्त किया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो चुकी है।

मोदी ने सोमवार को दोनों घटनाओं के लिए मृतकों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की।

पीएमओ ने ट्वीट किया, लुधियाना में गैस रिसाव के कारण हुई त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए, पीएम एटदरेट नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों के लिए पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

पीएमओ ने एक अलग ट्वीट में कहा, महाराष्ट्र के भिवंडी में हुई त्रासदी से आहत हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के लिए प्रार्थना। हादसे में प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफसे दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

लुधियाना की घटना में, घटना में मरने वाले 11 लोगों के अलावा, चार लोग बीमार हो गए और उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद निवासियों को बाहर निकाला गया और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की एक टीम को मौके पर भेजा गया।

एनडीआरएफ की टीम ने क्षेत्र में हाइड्रोजन सल्फाइड के उच्च स्तर का पता लगाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि एक औद्योगिक इकाई से कुछ रसायनों को नागरिक सीवेज लाइन में अचानक डंप कर दिया गया था। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं और अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 304 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एनडीआरएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि इस बीच, भिवंडी इमारत ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या सोमवार को बढ़कर आठ हो गई, जबकि तलाश और बचाव अभियान तीसरे दिन भी जारी रहा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी इलाके में शनिवार दोपहर तीन मंजिला इमारत ढह गई थी।

सांसद के ड्राइवर ने बोनट पर युवक को लाद 3 किमी तक दौड़ाई कार

नई दिल्ली,01मई 2023(ए)। दिल्ली में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक शख्स को कार से कुचलने की कोशिश और फिर उसे बोनट पर बैठाकर 3 किलोमीटर तक गाड़ी चलाने का मामला सामने आया है। घटना दिल्ली के सनलाइट इलाके की है। बताया जा रहा है कि आरोपी बिहार के नवादा से एमपी चंदन सिंह का ड्राइवर है।

वहीं, घटना की जानकारी सामने आते ही दिल्ली पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटना रविवार रात की है। कार रात को करीब 11 बजे आश्रम चौक से निजामुद्दीन दरगाह की ओर आ रही थी। इसी बीच, कार की बोनट पर एक शख्स लटका हुआ दिखाई दिया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

हत्या के दोषी आनंद मोहन की रिहाई को चुनौती

» सुप्रीम कोर्ट में आठ मई को सुनवाई

नई दिल्ली,01मई 2023(ए)। उच्चतम न्यायालय बिहार के गोपालगंज में 1994 में तत्कालीन जिला अधिकारी जी कृष्णैया की पीट-पीटकर हत्या के दोषियों में शामिल पूर्व सांसद और बाहुबली नेता आनंद मोहन सिंह को उम्र कैद की पूर्व निर्धारित सजा पूरी होने से पहले जेल से रिहा करने के राज्य सरकार के संशोधित कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर आगामी आठ मई को सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्वर्गीय कृष्णैया की विधवा उमा कृष्णैया की याचिका पर शीघ्र सुनवाई की गुहार सोमवार को स्वीकार करते हुए मामले को 08 मई को सूचीबद्ध का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तानिया श्री ने पीठ के समक्ष 'विशेष उल्लेख' के दौरान इस मामले को उठाया और शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1985 कैडर के 37 वर्षीय अधिकारी कृष्णैया की हत्या मुजफ्फरपुर में उत्तेजित भीड़ द्वारा पीट-पीटकर कर दी गई थी। निचली अदालत ने आनंद मोहन को 2007 में दोषी ठहराते हुए मृत्यु दंड की सजा सुनाई थी। पटना उच्च न्यायालय ने इस सजा को बरकरार रखा था, लेकिन 2008 में शीर्ष अदालत ने मृत्युदंड की सजा को उम्र कैद में तब्दील करने का आदेश दिया था।

बिहार सरकार के जेल मैनुअल में संशोधन के कारण आजीवन कारावास की सजा काट रहे आनंद मोहन समेत अन्य को पूर्व निर्धारित सजा से पहले रिहा करने का रास्ता साफ हो गया था। सरकार के इस फैसले के बाद आनंद मोहन को करीब 14 साल की सजा काटने के बाद पिछले दिनों जेल से रिहा कर दिया गया था।

आंध्र घोटाले में यूपी के आईएएस अधिकारी को जमानत

लखनऊ,01मई 2023(ए)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 2001 बैच के यूपी के आईएएस अधिकारी को 371 करोड़ रुपये के घोटाले में अग्रिम जमानत दे दी है। अधिकारी, अपर्णा उपाध्यायुला को आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) के डिप्टी सीईओ के रूप में तैनात किया गया था। उनके साथ उनके पति जी.वी.एस. भास्कर प्रसाद एपीएसएसडीसी में परियोजना प्रमुख थे। भास्कर प्रसाद ने एपीएसएसडीसी फंड के डायवर्जन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, इसके परिणामस्वरूप 371 करोड़ रुपये सार्वजनिक धन की हेराफेरी हुई।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली,01मई 2023(ए)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी को सीने में जकड़न की शिकायत के चलते उन्हे दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया। उन्हें देर रात अस्पताल लाया गया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें सीने में जकड़न की शिकायत बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि सीने में जकड़न की शिकायत के बाद उन्हें रात करीब 10 बजकर 50 मिनट पर दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान लाया गया। केंद्रीय मंत्री को कार्डियो न्यूरो सेंटर के कार्डियक केयर यूनिट में भर्ती कराया गया है।

तलाक पर 'सुप्रीम' फैसला,पति-पत्नी राजी हों तो 6 महीने का इंतजार भी जरूरी नहीं

नई दिल्ली,01मई 2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने आपसी सहमति से विवाह विच्छेद पर फैसला सुनाते हुए गाइड लाइन जारी की। सुप्रीम कोर्ट ने आपसी सहमति से शादी खत्म करने पर फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर संबंधों को सुधारना संभव ना हो तो कोर्ट विशेष शक्तियों के तहत मिले अधिकारों के जरिए दखल दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि तलाक से पहले आपसी सहमति के लिए दिए जाने वाले 6 महीने के वेटिंग पीरियड की भी बाध्यता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत उसे दी गई विशेष शक्ति का उपयोग करते हुए सहमति से तलाक के लिए दी जाने वाली 6 महीने की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि को शर्तों के अधीन खत्म किया जा सकता है। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि आर्टिकल 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार है कि वह दोनों पक्षों के साथ न्याय करने वाला कोई भी

आदेश जारी कर सकता है। इस बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस एएस ओका, विक्रम नाथ और जस्टिस एके माहेश्वरी भी शामिल थे।

बेंच ने कहा, 'यदि शादी में रिश्ते सुधरने की कोई गुंजाइश ना बची हो और पति-पत्नी राजी हों तो फिर सुप्रीम कोर्ट से तलाक मिल सकता है।' जस्टिस खन्ना ने बेंच का फैसला पढ़ते हुए कहा कि ऐसा करते हुए फैमिली कोर्ट जाने की जरूरत नहीं होगी, जहां तलाक के लिए 6 से 18 महीने तक का इंतजार करना होता है।

इसके साथ ही बेंच ने अपने फैसला में कुछ गाइडलाइंस भी तय कीं, जिन पर तलाक के फैसले देते हुए विचार करना जरूरी होगा। अदालत ने कहा कि हिंदू मैरिज ऐक्ट में संबंध सुधरने की गुंजाइश ना होने वाली नहीं कही गई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए इसके आधार पर तलाक मंजूर कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके अलावा व्यभिचार, धर्मांतरण और क्रूरता जैसी चीजें भी तलाक के लिए आधार मानी गई हैं।

केंद्र ने 14 मैसेंजर मोबाइल एप्पस को किया ब्लॉक

कश्मीर में आतंकी कर रहे थे इस्तेमाल

नई दिल्ली,01मई 2023(ए)। केंद्र सरकार ने रक्षा बलों, खुफिया और जांच एजेंसियों की सिफारिश पर बड़ा कदम उठाते हुए जम्मू-कश्मीर में आतंकी ग्रुप्स द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे 14 मैसेंजर मोबाइल एप्लिकेशन को ब्लॉक कर दिया है। इनमें क्रायपवाइजर, एनिग्मा, सेफस्विस, विकरमे, मीडियाफायर, ब्रायर, बीचैट, नंदबॉक्स, कॉनियन, आईएमओ, एलिमेंट, सेकेंड लाइन, जांगी, थ्रेमा जैसे ऐप्स शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक कई एजेंसियों ने पाया कि इन ऐप्स का इस्तेमाल कश्मीर घाटी में आतंकवादी अपने समर्थकों और ऑन-ग्राउंड वर्कर्स के साथ संवाद करने के लिए कर रहे थे। सरकार ने पाया कि इन ऐप्स के भारत में प्रतिनिधि नहीं थे और भारतीय कानूनों के अनुसार जानकारी मांगने के लिए उनसे संपर्क नहीं किया जा सकता था। एजेंसियों ने कई मौकों पर ऐप मैनेजमेंट से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन भारत में संपर्क करने के लिए कोई कार्यालय नहीं था।रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से ज्यादातर ऐप्स को इस तरह डिजाइन किया गया था जिसमें यूजर्स अपनी पहचान को छुपा सकते थे और उनके फीचर्स ने उनसे जुड़ी ऑर्गेनाइजेशन के बारे में पता लगा पाने को कठिन बना दिया था। कई एजेंसियों के बताए जाने पर होम अफेयर्स ने पाया कि ये मोबाइल ऐप आतंकवादियों और उनके सपोर्टर्स को एक्टिविटीज में शामिल होने में मदद करते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिक्यॉरिटी फोर्सेजऔर इंटेलिजेंस एजेंसियों द्वारा किए गए ऑपरेशन्स में मारे गए आतंकवादियों के मोबाइल फोन पर डाउनलोड किए गए ऐप्स में इन ऐप्स को पाया गया है।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के आगमन को लेकर सियासत गर्म

राजद और भाजपा आमने-सामने

पटना ,01मई 2023(ए)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पटना पहुंचने के पूर्व ही उनके आगमन और कार्यक्रम को लेकर प्रदेश की राजनीति गर्म हो गई है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और मंत्री तेजप्रताप यादव पहले ही शास्त्री के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, अब मंत्री सुरेंद्र राम भी शास्त्री के विरोध में मैदान में उतर गए हैं।

बिहार के श्रम संसाधन मंत्री सुरेंद्र राम ने कहा कि ऐसे बाबाओं से हिंदू और सनातन धर्म दोनों बदनाम हो रहा है। ऐसे बाबाओं का देश हित, समाज हित और धर्म हित के लिए विरोध होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग एक दूसरे धर्म से लड़ाने का काम करते हैं।

उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री को ढोंगी बाबा बताते हुए कहा कि ऐसे ढोंगी बाबाओं का बहिष्कार होना चाहिए, ऐसा मैं मानता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे इस देश में सभी धर्म सभी जाति और सभी मजहब के लोग एक दूसरे से प्रेम के साथ रहते हैं और एक दूसरे के धर्म का सम्मान करते हैं। इधर, राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह पहले ही कह चुके हैं कि शास्त्री जैसे लोगों को सलाखों के पीछे डाल देना चाहिए। सिंह ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह (शास्त्री) जेल में नहीं हैं। भाजपा बिहार में सांप्रदायिक गुंडों को खड़ा कर रही है। इस देश के लोगों की संतों पर बहुत आस्था है, लेकिन भाजपा उसे नष्ट कर रही है। बिहार के मंत्री और राजद नेता तेज प्रताप यादव ने कहा है कि अगर धीरेंद्र शास्त्री सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए यहां आ रहे हैं, तो इसका विरोध होगा। उन्होंने कहा कि धर्म को टुकड़ों में बांटने वालों को करारा जवाब मिलेगा।

इस बीच, इस संबंध में सोमवार को जब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी से पूछा गया तब उन्होंने कहा यह भारत है, जहां किसी को अपनी बातें कहने का हक है, कोई किसी को रोक कैसे सकता है। उन्होंने कहा कि राजद अगर किसी धर्मगुरु को बोलने का विरोध कर रहे हैं, तो वह सांप्रदायिक हो गई।

उन्होनें कहा कि हिंदू धर्मगुरु हो या किसी भी धर्म का धर्मगुरु हो, उन्हें मौलिक अधिकार है कि वह अपने प्रवचन से समाज को जोडने का काम कर सके। अगर कोई रोकता है तो यह तुष्टिकरण है। इसका मतलब है कि राजद तुष्टिकरण कर रहा है। धीरेन्द्र शास्त्री पटना में 13 से 17 मई तक हनुमत कथा सुनाने वाले हैं। पहले यह कार्यक्रम गांधी मैदान में प्रस्तावित था, लेकिन यातायात व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को देखते हुए इसे पटना जिले के ही नौबतपुर में कर दिया गया है। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। बताया जाता है कि धीरेंद्र शास्त्री 12 मई को पटना आ जाएंगे।

आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू,01मई 2023(ए)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सुरक्षा बलों ने सोमवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि एक खुफिया जानकारी के आधार पर उनकी टीम ने सुरक्षाबलों के साथ मिलकर खारी तहसील के बुर्जाला जंगल इलाके में एक तलाशी अभियान चलाया, जिसमें उन्होंने आतंकवादी ठिकानों से हथियार, गोला-बारूद और संबंधित सामग्री के जखीरे बरामद किए। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए सामान में दो राइफल ग्रेनेड, एक यूबीजीएल

श्रोअर, बिना बैटरी वाला एक वायरलेस एंटीना, तार के साथ दो आईईडी, तार के साथ एक डेटोनेटर टाइप, 17 एके47 कार्टिलेज, सात 9 एमएम कार्टिलेज, ग्लिसरीन के जैसे तरल वाली एक कांच की बोतल, एक खाकी जैकेट और एक काले चमड़े का जूता पाया गया। विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पटवारी को हुआ एसडीएम मैडम से प्यार

तहसीलदार को 'प्यार' के बीच न पड़ने की दी धमकी

जयपुर,01 मई 2023(ए)। पटवारी को एसडीएम मैडम से प्यार होने का एक मामला सामने आया है। एक पटवारी ने महिला एसडीएम को मेसेज किया और कहा कि आप बहुत सुन्दर हो, मुझे आपसे प्यार हो गया। महिला अधिकारी ने देर रात आए मैसेज को देखकर इसलिए इग्नोर किया कि नशे में भेजा होगा। लेकिन पटवारी ने दूसरे दिन सुबह 11 बजे फिर रात वाले मैसेज का जवाब मांगा तो महिला अधिकारी ने तहसीलदार को शिकायत कर उसे पाबंद करने के लिए कहा। ये

पूरा मामला राजस्थान का है।

इसके बाद जब तहसीलदार ने पटवारी को फटकार लगाई तो उसने उलटा तहसीलदार को ही धमका दिया। पटवारी ने तहसीलदार से कहा, ÷आप मेरे अधिकारी हो इसका मतलब आप मेरे प्यार के बीच में नहीं आएंगे÷ उसके बाद भी महिला अधिकारी को पटवारी लगातार व्हाट्सऐप पर अश्लील मैसेज भेज रहा था। शुक्रवार शाम को महिला अधिकारी ने आरोपी पटवारी के विरूद्ध मामला दर्ज करवाया, पुलिस नेआईपीसी 354, एससी एसटी, आईटी एक्ट की धारा लगाकर मामला दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि धामसीन के पटवारी रमेश जाट (48 वर्ष) चूरू जिले का रहने वाला है। पटवारी रमेश पूर्व फौजी है।

संपादकीय

अब कोई परदादारी नहीं

अब सीधा खेल है। आप अगर सरकार के खिलाफ बोले, तो आपका कोई ना कोई कथित अपराध ढूंढ लिया जाएगा। फिर एजेंसियां आपके यहां दस्तक देंगी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को मिले सीबीआई नोटिस का यही संदेश है।

अब सीधा खेल है। आप अगर सरकार के खिलाफ बोले, तो आपका कोई ना कोई कथित अपराध ढूंढ लिया जाएगा। फिर एजेंसियां आपके यहां दस्तक देंगी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को मिले सीबीआई नोटिस का यही संदेश है।

नरेंद्र मोदी सरकार ने कानून, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और जिन तक उन एजेंसियों के हाथ पहुंचते हैं, उनके बारे में हर तरह के परदे गिरा दिए हैं। अब सीधा खेल है। आप अगर सरकार के खिलाफ बोले, तो आपका कोई ना कोई कथित अपराध ढूंढ लिया जाएगा। फिर एजेंसियां आपके यहां दस्तक देंगी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को मिले सीबीआई नोटिस का यही संदेश है। मलिक ने जब खुल कर अपनी बातें कहना का मन बनाया होगा, तब संभवतः उन्हें भी इसके संभावित नतीजे का अहसास रहा होगा। कम से कम उन लोगों को अवश्य ही था, जिन्होंने हाल में उनके इंटरव्यू सुने।

बहरहाल, सरकार ने अब उन्हें निशाना बना लिया है, तो इसके संभावित नतीजों का भी अनुमान लगाया जा सकता है। मलिक को जो मुश्किलें पेश आएंगी, वह तो जग-जाहिर है। लेकिन उसके साथ ही यह भी जाहिर हो रहा है कि ऐसी कार्रवाइयां अब रही-सही साख भी खो रही हैं। जिन विपक्षी नेताओं या सिविल सोसायटी संगठन या मीडिया संस्थान पर सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई अब तनिक भर भी यह संदेह पैदा नहीं करती कि इसके पीछे सचमुच कोई वैध कारण रहा होगा। उलटे कार्रवाई का शिकार को लेकर समाज के एक बड़े हिस्से में सहानुभूति और समर्थन का भाव पैदा होता है।

सीबीआई का नोटिस मिलने की खबर आते ही सत्यपाल मलिक के लिए जिस तरह के समर्थन भाव देखा गया, वह इस बात की ठोस मिसाल है। इसके साथ ही सरकार के प्रति गुस्से की भावना भी बढ़ती नजर आ रही है। हकीकत यह है कि सरकार समर्थक समूहों के पास भी ऐसी कार्रवाइयों का समर्थन करने के तर्क कमजोर पड़ रहे हैं। तब ऐसे तर्क चूकने लगें, तो उसका सीधा मतलब होता है कि ताकत के जोर से सरकार चलाने की बढ़ी प्रवृत्ति बेनकाब होने लगी है। गौरतलब है कि ताकत मोहल्ले के दादाओं के पास भी होती है। लोग डरते उनसे भी हैं। लेकिन उनकी कोई साख नहीं होती। बल्कि उनके रुतबे को कानून की नाकामी के रूप में देखते हैं। क्या कुछ-कुछ ऐसा ही भाव सरकारी कार्रवाइयों के बारे में देखने को नहीं मिलने लगा है?

भ्रष्टाचारी कमीशन-40 प्रतिशत बनाम 85 प्रतिशत

» चुनावी मौसम आया भ्रष्टाचार के आरोप प्रत्यारोप का दौर छाया

» भ्रष्टाचारी कमाई का बीज़ शरीर में फलकर, ब्याज सहित वसूली करके ही जीव को छोड़ता है

10 मई 2023 को कर्नाटक में चुनाव हैं, इसलिए वहां जोरों से राजनीतिक पार्टियों का चुनाव प्रचार,एक दूसरे पर भ्रष्टाचार का शाब्दिक वार आरोप-प्रत्यारोपों का मौसम छाया हुआ है। दो मुख्य पार्टियों में भ्रष्टाचार के 40 प्रतिशत कमीशन का जवाब 85 प्रतिशत कमीशन के रूप में दिया जा रहा है। दशकों पूर्व के तत्कालीन पीएम के दिल्ली से एक रुपए निकलने पर हितधारकों को 15 वैसे ही मिलने वाले वाक्य को दोहराया जा रहा है तो सत्ताधारी पार्टी पर 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप लगाया जा रहा है।रेखांकित करने वाली बात यह है कि आरोप दोनों पार्टियों के किसी छोटे नेता नहीं बल्कि अति विशिष्ट उच्च हाई लेवल नेताओं द्वारा एक दूसरे पर लगाए जा रहे हैं जो आज दिनांक 30 अप्रैल 2023 को दिनभर टीवी चैनलों पर चलते रहे परंतु हमें बड़े बुजुर्गों की बात भूलना नहीं चाहिए कि भ्रष्टाचारी लाख करे चतुराई कर्म का लेख मिटे ना रे भाई। चूंकि आज भ्रष्टाचार का मुद्दा चरम सीमा पर छाया रहा आरोप-प्रत्यारोप लगते रहे, इसीलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भ्रष्टाचारी कमीशन 40 प्रतिशत बनाम 85 प्रतिशत।

साथियों बात अगर हम वर्ष 1957 में प्रदर्शित फिल्म चंडीपूजा का रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी उर्फ कवि प्रदीप द्वारा लिखा गीत, कोई लाख करे चतुराई कर्म का लेख मिटे ना रे भाई, जरा समझो इसकी सच्चाई रे, कर्म का लेख मिटे ना रे भाई यह गीत आज हर राजनीतिज्ञ शासकीय कर्मचारी युवा वर्ग और भ्रष्टाचार रूपी मीठी मिठाई खाने वालों को जरूर सुनना चाहिए, क्योंकि भ्रष्टाचार कमीशन एक ऐसा बीज़ है, जो हमेशा उसे बोने के लिए ललचाता है, खुद हर किसी के शरीर में जाकर पनपने को लालायित रहता है ताकि अपनी जड़ें जमा कर अपने शिकार को वर्तमान सहित उसके बुढापे में रिटायरमेंट में अधिक सुविधा और शुद्धता से अपना निवाला बना सके!! उसकी जिंदगी नर्क करे। परंतु हम मनीषजीव उसकी इस चाल को समझ नहीं पाते और आधुनिक सुख-सुविधाओं, अपने क्षमताओं से अधिक सुख भोगने, समाज में दिखावा करके, एंजॉयमेंट रसों लोगों का स्वाद चखने, अपनीं अपनीं जिंदगी जरूरत से अधिक सुगम बनाने के लिए भ्रष्टाचार रूपी खतरनाक बीज के झांसे में आकर उसे अपनाते है अपने शरीर में उससे खरीदी वस्तुओं का उपभोग कर अपने खून में उसे घोलतें है, जिससे उस बीज को शरीर में फलने फूलने का आश्रय और विकास करने की क्षमता प्रदान करतें है, जिसका भुगतान भ्रष्टाचारी को खुद और अपने परिवार सहित अपने कुल को चक्रवर्ती ब्याज सहित भुगतान करना पड़ता है,जिसे हम सब अपने आसपास और समाज में देखते भी हैं कि किस तरह ऐसे लोग हमेशा विवादों में तकलीफों में बीमारियों के घेरे में रहते हैं, उनके परिवार हमेशा विपत्तियों के घेरे में रहते हैं और उम्र के अंतिम पड़ाव में नोटों के पहाड़ ढहने लगते हैं जिसका उदाहरण हम पिछले कुछ दिनों से ईडी सीबीआई और अन्य एजेंसियों के रेड में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देख सुन रहे हैं करीब-करीब रोज टीवी चैनलों पर नेताओं मंत्रियों ऑफिसरों से बरामद चमकती हुई नोटों की हरी गुलाबी गाडियां दिखाई जाती है जिन्हें गिनने मशीनें भी कम पड़ जाती है। इसलिए बड़े बुजुर्गों की कहावत सही है जब संभलो सवेरा तभी शुरू होता है, सुबह का भूला शाम को लौटे तो भुला नहीं कहते इसलिए कवि प्रदीप का उपरोक्त गीत सुनकर समझने की कोशिश करें,ऐसा मेरा मानना है इसके साथ ही मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मेरा उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचानां नहीं है अपितु भ्रष्टाचार रूपी असुर दानव को भारत माता की गोद से कोसों दूर भगाना है जो दीमक की तरह देश को चट कर रहा है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार निवारण में समाज की भूमिका की करें तो, समाज ही सभी अच्छाईयों व बुराईओं का स्त्रोत व उत्तरदायी हैं। समाज द्वारा चुने लोग ही सरकार में भेजे जाते हैं।इसलिए मतदान का बटन बहुत सोच समझ कर करना चाहिए। हमारे समाज के लोग ही सरकारी नौकरियों व पदों पर रखे जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि समाज के अन्दर ही भ्रष्टाचार का बीज विद्यमान हैं। हमें अपने समाज में सुधार करने की आवश्यकता हैं। इसके लिए आवश्यक हैं कि हमे ऐसे लोगो को प्रमुख जिम्मेदारी देनी चाहिए जो विद्वान, योग्य हो और समाज हित व देश हित की मंशा रखते हैं। हमें सबसे पहले शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को शुरू से ही अच्छे कार्य करने की शिक्षा देनी चाहिए। उन्हे गलत कार्यों व लालच से दूर रहने की सलाह देनी चाहिए। यह जिम्मेदारी प्रत्येक माता पिता, बुजुर्ग, शिक्षक व अन्य सभी प्रमुख व्यक्तियों की है कि, वे भ्रष्टाचार मुक्त समाज व राष्ट्र का निर्माण करने में सहायक बने और दूसरों को भ्रष्टाचार करने से रोकें व उन्हें शिक्षित करें।

साथियों बात अगर हम केंद्र सरकार को मिलने वाली भ्रष्टाचार की शिकायतों की प्रक्रिया की करें तो, शिकायतें केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के जरिये मिलती है, जो एक ऑनलाइन पोर्टल है, जो नागरिकों को सरकारी विभागों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की सुविधा देता है। अगस्त-2022 के लिए जारी सीपीजीआरएएमएस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल अब तक अकेले भ्रष्टाचार की श्रेणी के तहत 46 हजार 627 जन शिकायतें प्राप्त हुई हैं।गौरतलब है कि सीपीजीआरएएमएस पर जन शिकायतों के समाधान की समयसीमा 45 दिन से घटाकर 30 दिन कर दी जा चुकीहै।पिछले पांच वर्षों में सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर औसतन 19 लाख शिकायतें मिली हैं।

साथियों बात अगर हम हाल ही में जारी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की भ्रष्टाचारियों पर जारी रिपोर्ट 2022 की करें तो, रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि एक जनवरी से 25 अगस्त 2022 के बीच कुल 7 लाख 50 हजार 822 जन शिकायतें मिलीं, जिनमें पिछले साल की लंबित 68 हजार 528 जन शिकायतें शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक जनवरी से 25 अगस्त 2022 के बीच प्राप्त 7 लाख 50 हजार 822 जन शिकायतों में से 7 लाख 27 हजार 673 का निपटारा किया जा चुका है, जबकि 91 हजार 677 लंबित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुल लंबित जन शिकायतोंमें से 2 हजार 157 का एक साल से अधिक समय से निपटारा नहीं किया जा सका है, इसमें कहा गया है कि 10 हजार 662 जन शिकायतें छह महीने से अधिक समय से, 47 हजार 461 जन शिकायत 30 दिन से अधिक समय से और 44 हजार 216 जन शिकायतें 30 दिन से कम से समय से लंबित हैं।

साथियों हाल ही में नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई के जो आंकड़े जारी हुए हैं, वह चौंकाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 की तुलना में 2021 में भ्रष्ट सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के पकड़े जाने के मामले 65 प्रतिशत तक बढ़ गए। अनेक सरकारी अधिकारी और कर्मचारी तो रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े गए, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है- पूरे साल में बहुत कम भ्रष्टाचारी सलाखों के पीछे पहुंचे।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2021 और ट्रांसफिरेंसी इंटरनेशनल भ्रष्टाचार इंडेक्स 2021की करें तो, भ्रष्टाचार के मामले में भारत का मौजूदा हाल भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2021में भारत पिछले साल की तरह 85 वें स्थान पर काबिज है। 2013 के बाद से इस सूचकांक में भारत की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। इससे पहले के दो सालों 2014 और 2015 में भारत का स्कोर 38 था। 2016 में यह स्कोर बढ़कर 40 हुआ और 2017 में भी यही रैंक बना रहा। साल 2018 में भारत 1 नंबर की बढोत्तरी के साथ सूचकांक में सबसे बेहतर 41 के स्कोर पर जा पहुंचा था। 2019 में भी भारत का स्कोर इतना ही बना रहा। साल 2020 में भारत एक अंक से पीछे पहुंच गया और दोबारा 40 के स्कोर पर जा पहुंचा। 2021 में भी भारत के स्कोर में कोई सुधार नहीं हुआ और अब भी यह 40 ही बना हुआ है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2021 ने ताजा रिपोर्ट जारी की है, इस 180 देशों के भ्रष्टाचार धारण इस सूचकांक में भारत 2020 की तरह 2021 में भी 85 वें स्थान पर बना हुआ है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2021 में भारत का नंबर 40 है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भ्रष्टाचारी कमीशन - 40 प्रतिशत बनाम 85 प्रतिशत।चुनावी मौसम आया भ्रष्टाचार के आरोप प्रत्यारोप का दौर छाया।भ्रष्टाचारी कमाई का बीज शरीर में फलकर ब्याज सहित वसूली करके ही जीव को छोड़ता है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

बुजुर्गों के मन की व्यथा

जब से होश संभाला
तब से बस भागता ही
रहे स्कूल, कॉलेज, ट्रेनिंग दफ्तर
पहले माँ बाप का बने सहारा
फिर जब बसी गृहस्थी
पत्नी , बच्चों की भी आ गई
ज़िम्मेदारी
इस पूरी भागम भाग में
कब बीत गया बचपन, जवानी
पता भी नहीं चला
अब जो हो गए बुजुर्ग
हो गई नज़र कमज़ोर
जकड़ा जोड़ों के दर्द ने
लड़खड़ाते हैं कदम
पर देने को सहारा कोई नहीं
जब जब जिसका चाहिए था
साथ दिया मैंने
कभी मुँह मोड़ा नहीं किसी से भी
पर आज डसती है तन्हाई
अकेलापन बन गया दुश्मन
बोझिल साँसें, तन मन दोनों थके
पर साथ कोई नहीं
घर घर की हुई कहानी यही
बुजुर्ग माता,पिता
बस देखते रहते राह
आ जाये कोई खोज खबर या
संदेशा किसी अपने का
हो जाती यूँ कितनी लाचार
अकेली, बेबस ज़िन्दगी बुजुर्गों की
जब चाहिए होता सबसे ज़्यादा
साथ अपनों का
होती बस तन्हाई की लाठी
और बेबसी का चश्मा साथ।।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा उत्तरप्रदेश

मन विचलित है

मन विचलित है
भाव हिलोरें ले रहा है बारंबार।
कुछ कही कुछ अनकही
कहानी भाव जगाती बारंबार।।
हाथ पकड़कर चलना सिखाया
मुँह में डाल दिया जवान।
अपने को सुख सुविधा से बंचित कर
पालपोस कर किया जबान।
खून के रिस्ते कैसे होते है
इसका भी दिखाया प्रमाण।
अपने लिए तो रूखी रोटी
पर हमारे लिए किया दूध इंतजाम।।
कण कण जोड़े उस पैसे से
किया सभी बच्चों का उत्थान।
कभी बेटी की शादी तो कभी बेटों का
सोचा उत्थान।।
सोच सोच कर अपनी धोती
माँ के वो साधारण बस्त्र।
जीवन के गाड़ी को खिंचती
खादी और साधारण बस्त्र।।
कहाँ पता था साथ हमारा
बीच डगर छूट जाएगा।
मातपिता का साया हमसे
बचपन में ही उठ जाएगा।।
ऐसा क्या विधान बना है जो
छीन लेता है अपनो का प्यार।
एक स्वर्ग तो एक भूलोक में
बिरह गाकर करता प्यार।।
ऐसा कोई उक्ति निकले
जो मातपिता दीखे स्वर्ग के द्वार।
बेसक उनतक पहुचने की पावंदी पर
बातचीत का हो अधिकार।।
फिर लगेगा विछोह पर मरहम मन से
काम होगा बिछरण का भाव।
मातपिता के सानिध्य का छाया मन मे
भरेगा उत्साह का भाव।।

कमलेश झा
नगरपारा
भागलपुर
बिहार

बेकरार दिल

ढुँढ रहा हुँ तुम्हें मैं वन उपवन
ख्वाबों में बसी हो बन दुल्हन
सामने आ जा अब मेरे सनम
क्यूँ तड़पाती हो बन उलझन
सारा जमाना है अपना दुश्मन
फिर भी पसंद हो तुम हमदम
उल्फत बिछा है कदम कदम
तेरे आँचल में भुला देगें ये गम
क्या सोंच रही हो मेरी शबनम
तोड़ के आजा जग के बंधन
तेरा मेरा है जन्मों का अनुबंध
महका दो मेरा उजड़ा गुलशन
एक दुजे के लिए है ये सर्मपण
साथ जी लेगें दुःख सुख में हम
झेल लेगें जग में कदम कदम
दूर कर देगें जीवन का तम
परवाज बन उड़ेगें नील गगन
चाहे जमाने से हो जाये अनबन
बादलों की गाँव में बस जाये हम
वापस ना लौटेगें जमीं पर हम

उदय किशोर साह
जयपुर बाँका
बिहार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

नक्सलवाद में कमी पर जड़ से सफाया जरूरी

- साल 1967 में शुरू हुई इस समस्या को जड़ से मिटाने में अब तक कोई भी सरकार पूरी तरह सफल नहीं हो पाई है। हालांकि सरकार का दावा है कि नक्सली हमलों में धीरे-धीरे कमी आ रही है और नक्सल प्रभावित इलाके लगातार सिमटते जा रहे हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों का दावा है कि उनके कठोर रुख अपनाने के बाद नक्सलवाद की समस्या में लगातार कमी आ रही है। आंकड़े बताते हैं कि 2017 से लेकर आज तक नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या लगातार घटी है। अगर नक्सली हिंसा में कमी की बात करें तो 2008 में 223 जिले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन सरकार के प्रयासों से इनमें कमी आई और 2014 में यह संख्या 161 रह गई। वहीं 2017 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या और घटकर 126 रह गई। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और बिहार को सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित राज्यों की श्रेणी में रखा गया है। पिछले कुछ सालों से नक्सली हमलों में हजारों लोगों की मौत हुई है। साल 1967 में शुरू हुई इस समस्या को जड़ से मिटाने में अब तक कोई भी सरकार पूरी तरह सफल नहीं हो पाई है। हालांकि सरकार का दावा है कि नक्सली हमलों में धीरे-धीरे कमी आ रही है और नक्सल प्रभावित इलाके लगातार सिमटते जा रहे हैं।

नक्सलवाद यानी कि नक्सलवादी विचारधारा एक आंदोलन से जुड़ी हुई है। 1960 के दशक में कम्युनिस्टों यानी साम्यवादी विचारों के समर्थकों ने इस आंदोलन का आरंभ किया था। इस आंदोलन की शुरुआत पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के गांव नक्सलबाड़ी से हुई थी, इसलिए यह नक्सलवादी आंदोलन के रूप में चर्चित हो गया। इसमें शामिल लोगों को नक्सली कहा जाता है। नक्सलवाद बंगाल के नक्सलबाड़ी में विकास के अभाव और गरीबी का नतीजा है। इस आंदोलन के समर्थक भुखमरी, गरीबी और बेरोजगारी से आजादी की मांग करते रहे हैं। आजादी के बाद भूमि सुधार की पहल हुई थी, लेकिन यह कामयाब नहीं रही। नक्सलबाड़ी किसानों पर जमींदारों का अत्याचार बढ़ता चला गया। इसके बाद किसान और जमींदारों के बीच जमीन विवाद पैदा हो गया। 1967 में कम्युनिस्टों ने सत्ता के खिलाफ सशस्त्र आंदोलन की शुरुआत की, जो आज तक जारी है।

इतिहासकारों का मानना है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चारू मजूमदार ने कानू सान्याल और जंगल संथाल के साथ मिलकर सत्ता के खिलाफ एक किसान विद्रोह कर दिया था। 60 के दशक के आखिर और 70 के दशक के शुरुआती दौर में नक्सलबाड़ी विद्रोह ने शहरी युवाओं और ग्रामीण लोगों दोनों के दिलों में आग लगा दी थी। देखते ही देखते यह आंदोलन बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आम हो गया और धीरे-धीरे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र तक फैल गया। आजाद भारत में पहली बार किसी आंदोलन ने गरीब और भूमिहीन किसानों की मांगों को मजबूती दी, जिसने तत्कालीन भारतीय राजनीति की तस्वीर बदल दी। एक गांव और एक पुलिस स्टेशन से शुरू हुआ यह आंदोलन 20 राज्यों के 230 जिलों के 2,000 पुलिस स्टेशन तक फैल चुका था, जिसमें अब कमी आ रही है।

कृषि संबंधी मुद्दों को लेकर जो आंदोलन शुरू किया गया था, आज वह सत्ता पर कब्जा करने के विचार और विचारधारा के साथ गति पकड़ चुका है। नक्सलवाद का सैन्यीकरण और इसका हिंसक रूप धारण करना सर्वाधिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। सुरक्षा बलों के लिए नक्सलवाद सबसे बड़ी चुनौती है। वे इस संघर्ष में लगातार अपनी जान गंवा रहे हैं। रिटायर्ड आईपीएस के. सत्यनारायण की किताब %नक्सलवाद और समाज% कहती है कि नक्सलवाद सामान्य अपराध नहीं है, न ही यह केवल कानून और व्यवस्था की समस्या है। नक्सलवादियों का सामाजिक आधार कानून और व्यवस्था की समस्या से कहीं आगे जाकर इसकी कहानी कहता है। बेरोजगार गरीब युवाओं, वंचित आदिवासियों, शोषित ग्रामीण के अलावा कई शिक्षित युवा भी हैं, जो नक्सलवाद के रास्ते पर निकल पड़े हैं। शहरी इलाकों के कुछ बुद्धिजीवी भी नक्सली विचारधारा के प्रति सहानुभूति रखते हैं। यह किसी भी सूरत में ठीक नहीं कहा जा सकता।

हर बार नक्सलियों के हमले होते हैं और हर बार नेता से लेकर सुरक्षा बलों और आम आदमी तक की मौत होती है। इसके बावजूद हम समस्या का पूरी तरह से समाधान नहीं कर पाए हैं। सरकारों को इस बात को समझना होगा कि नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए कठोर फैसले लेने होंगे। सामाजिक प्रणाली में आई विकृतियों को दूर करना होगा, गरीबी उन्मूलन के लिए कदम उठाने होंगे और त्वरित विकास सुनिश्चित करना होगा। कानून और व्यवस्था को कड़ाई से लागू करना होगा। पुलिस बल को तकनीकी रूप से मजबूत बनाना होगा। केंद्र और राज्यों को मिलकर इस गंभीर समस्या का मुकाबला करना होगा।

अमित बैजनाथ गर्ग
जयपुर, राजस्थान

षड्यंत्र और राजनीति का हिस्सा धर्म परिवर्तन

सुप्रीम कोर्ट मानता है कि धर्म परिवर्तन एक गंभीर मुद्दा है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। धर्म परिवर्तन राजनीतिक मुद्दा है या आस्था का मामला? लोगों को जबरन धर्मांतरण, प्रलोभन या लालच आदि के प्रावधानों और तरीकों के बारे में भी शिक्षित करने की आवश्यकता है। जबरन धर्मांतरण की सजा को पहले के 10 साल से घटाकर एक से पांच साल कर दिया गया। धर्म परिवर्तन से जुड़ा विवाह अवैध है। यदि धर्मांतरण में नाबालिग, महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य शामिल है, तो कारावास दो से सात साल है।

आस्था परिवर्तन हृदय का विषय है। आप राजनीतिक भाषा शैली और ऐसे प्रतीकों को अपनाकर किसी के अंतर्मन नहीं बदल सकते। गांधी जी इसी कारण धर्म परिवर्तन के विरुद्ध थे। उनका मानना था कि समाज सुधार के काम में धर्म परिवर्तन की भूमिका नहीं है। जाहिर है, धर्म परिवर्तन के पीछे दिए गए तर्कों को स्वीकार करना कठिन है। धर्म के अधिकार में धोखाधड़ी, धोखे, जबरदस्ती, लालच और अन्य तरीकों से अन्य लोगों को धर्मांतरित करने का अधिकार शामिल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक आदेश में बाधा डालने के अलावा, धोखाधड़ी या प्रेरित धर्मांतरण अंतरात्मा की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है। इसलिए, बलपूर्वक धर्मांतरण को विनियमित/प्रतिबंधित करने के लिए राज्य अपनी शक्ति के भीतर अच्छी तरह से है। भारत में, कोई भी कानून यह प्रतिबंधित नहीं करता है कि कौन से धर्म एक दूसरे में परिवर्तित हो सकते हैं । भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 सभी नागरिकों को धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें अपना धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। हालाँकि, भारत में धर्म परिवर्तन के लिए कोई कानूनी बाधाएँ नहीं हैं, लेकिन सामाजिक बाधाएँ अक्सर होती हैं।

स्वतंत्रता भारतीय संविधान में परिकल्पित मौलिक अधिकार है। धर्म की स्वतंत्रता उन अधिकारों में से एक है जिन पर मौलिक स्तंभ आधारित है। भारत में, धर्म जीवन के हर पहलू में एक भूमिका निभाते हैं लेकिन साथ ही धर्म व्यक्ति के लिए है। किसी भी धर्म को दिल और पेशे से चुनना किसी भी कानून द्वारा प्रतिबंधित नहीं होना चाहिए। ऐसा कोई भी धर्मांतरण विरोधी कानून अन्यथा ÷किसी भी धर्म को चुनने और मानने की स्वतंत्रता÷ के मूल सिद्धांत को कम कर देगा और संविधान की भावना के खिलाफ जाएगा। इसके अलावा, भारत जैसे देश में जहां धर्मनिरपेक्षता प्रस्तावना का एक तत्व है, वास्तव में जिस चीज की जरूरत है वह समाज के कमजोर और कमजोर वर्गों की रक्षा करना है, जिन्हें कभी-कभी अपना धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है। कभी-कभी लोग अपनी खुशहाली बनाए रखने के लिए सामाजिक परिस्थितियों में अपना धर्म बदल लेते हैं और अगर इस तरह के प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो यह उन पर गंभीर प्रभाव डालेगा। ऐसे कानूनों की कई कानूनी विद्वानों ने तीखी आलोचना की है जिन्होंने तर्क दिया था कि %लव जिहाद% की अवधारणा का कोई संवैधानिक या कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 21 की ओर इशारा किया है जो व्यक्तियों को अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने के अधिकार की गारंटी देता है।

साथ ही, अनुच्छेद 25 के तहत, विवेक की स्वतंत्रता, किसी भी धर्म का पालन न करने सहित अपनी पसंद के धर्म के अभ्यास और रूपांतरण की भी गारंटी है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई निर्णयों में यह माना है कि राज्य और अदालतों के पास जीवन साथी चुनने के वयस्क के पूर्ण अधिकार पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। लिली थॉमस और सरला मुद्गल दोनों ही मामलों में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पुष्टि की है कि बिना किसी प्रामाणिक विश्वास के और कुछ कानूनी लाभ प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य के लिए किए गए धार्मिक रूपांतरण में दम नहीं है। सलामत अंसारी-प्रियंका खरवार इलाहाबाद उच्च न्यायालय 2020 का मामला- एक साथी चुनने या पसंद के व्यक्ति के साथ रहने का अधिकार नागरिक के जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का हिस्सा था। मानव अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 18 में उल्लेख किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना विश्वास बदलने सहित धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार है। चूंकि यह एक राज्य का विषय है, इसलिए केंद्र अनुबंध खेती आदि पर मॉडल कानून जैसे मॉडल कानून बना सकता है। धर्मांतरण विरोधी कानून बनाते समय राज्यों को उस व्यक्ति के लिए कोई अस्पष्ट या अस्पष्ट प्रावधान नहीं रखना चाहिए जो अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन करना चाहता है। धर्मांतरण विरोधी कानूनों में अल्पसंख्यक समुदाय संस्थानों द्वारा धर्मांतरण के लिए वैध कदमों का उल्लेख करने का प्रावधान भी शामिल करने की आवश्यकता है।

कोई अपनी इच्छा से किसी दूसरे धर्म को अपनाए यह उसका विषय है लेकिन सामूहिक रूप से लोगों को भड़का कर धर्म परिवर्तन को आक्रामक रैली में परिणत करना भयावह दृश्य उत्पन्न करता है । इससे समाज और देश का केवल अहित ही होगा । कुल मिलाकर यह क्षोभ और चिंता का विषय है। धर्म मानव को कर्तव्यों के द्वारा मनुष्यता के उच्चतम शिखर पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है उसे इस तरह राजनीतिक शैली की रैलियां न बनाया जाए यही सबके हित में है। वैसे आर्य समाजी राम, कृष्ण को भगवान नहीं मानते लेकिन महापुरुष मानते हैं। हमारे इतिहास के अनुसार श्री राम इच्छ्वाकू वंश की 65 वीं पीढी थे और महात्मा बुद्ध 123 वीं पीढ़ी। इस नाते वंशावली से भी राम को अपना पूर्वज मानने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। अश्वघोष ने महात्मा बुध की जीवनी लिखी है और उसमें वंशावली मिल गई तो फिर इसको अस्वीकार करने का कोई कारण नहीं। आखिर अश्वघोष बौद्ध मुनि थे। लोगों को जबरन धर्मांतरण, प्रलोभन या लालच आदि के प्रावधानों और तरीकों के बारे में भी शिक्षित करने की आवश्यकता है। जबरन धर्मांतरण की सजा को पहले के 10 साल से घटाकर एक से पांच साल कर दिया गया। धर्म परिवर्तन से जुड़ा विवाह अवैध है । यदि धर्मांतरण में नाबालिग, महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य शामिल है, तो कारावास दो से सात साल है।

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,
हिसार
(हरियाणा)

इच्छाओ का मोहताज-इंसान

हर किसी कि कोई न कोई इच्छा होती हे कोई हे तो बोल देता और कोई हे तो मन में रखता हे लेकिन जरुरी नहीं हमारी एक इच्छा पूरी हो कही लोगो को अपनी इच्छाएं अपने मन में मार देनी पड़ती हे वो लोग हमेशा दुसरो के बारे सोचते हे वो दूसरे मतलब उनके अपने जो अपने बच्चो कि इच्छाओ को उनके दिल कि बात को नहीं समजते और अपने बच्चो के जिंदगी से हाथ धो बैठते हे और फिर बाद में पछताते हे लेकिन अगर खुदपर् और भगवान पर भरोसा हो तो वो भी मिलता हे जो हमारे किस्मत नहीं लिखा होता अपनी इच्छा अपने ख्वाब उस ईश्वर से कहे एक दिन वो जरूर पूरी करता हे हर कार्य का अपना एक समय होता हे तुम चाहे कितना भी प्रयास कर लौ वो कार्य उसके तय किये गये समय पर कि होगा इंसान इच्छाओ मोहताज हो गया हे अगर उसकी इच्छा पूरी नहीं हुई तो वो मायूस हो जाता हे और इतना सोचता हे कि सोच सोच कर एक दिन खुदखुशी करने का फैसला करता हे और कर् भी लेता हे लेकिन उसे ऊपर जगह नहीं मिलती क्यों कि उसे अभी जीना होता हे और वो बिच में हि मर् जाता हे तो उसकी बाकी रही जो जिंदगी हे वह उसे काटनी होती हे उसका आत्मा भटकता हे भगवान उसे कहता हे तेरी मौत को अभी बहोत समय था और तूने अपने आप को खतम कर लिया अब तु अपनी पूरी जिंदगी काट कर् आना तब में तुम्हे ऊपर लूंगा इसलिए अपनी इच्छा पूरी करने कि जिम्मेदारी भी उस ईश्वर कि होती हे और कभी कोई इच्छा पूरी नहीं भी हुई तो शायद उसकी मर्जी हो ये सोच कर आगे बढ़ना चाहिए हर बार ये देखा गया हे कि अपने करीबी लोग हमारे रिश्तेदार तक हमें ये नहीं पूछते कि तु क्या चाहती हे तेरी इच्छा क्या हे हर् बार अपनी चलाने वाले लोग हमें हर मोड़ पर मिलेंगे लेकिन ज़ब परिस्थिति को बदलना अपने हाथ में न हो न तब खुद को बदलना बेहतर होता हे और किसीकी बात भी सुननी नहीं चाहिए मुँ पर पट से जवाब दें देना चाहिए ज़ब तक तुम सुनते हो लोग तुम्हे सुनाएंगे और अपने मुताबिक चलने को कहेगे लेकिन तुम्हे जो करना वो तुम्हारा दिल कहे किसी के में दबाव आकर अपनी जिंदगी मत काटना चाहे फिर वो तुम्हारे अपने हि क्यों न हो अरे तुम्हारी इच्छा तुम्हारी और उसकी इच्छा समझदारी वा रे वा दुनिया अरे वो कोई पत्थर कि मुरत नहीं हे उसके भी कुछ ख्वाब होंगे इच्छाए होंगी तुम भगवान नहीं हो जो उसकी किस्मत लिखने चले हो इंसान हो इंसान हि रहो भगवान बनने कि कोशिश न करो तुम्हे कोई हक नहीं ये बोलने का कि तुम ऐसे रहो, ऐसे जिओ, तुम्हारे लिए ये सही हे और ये गलत हे अरे ज़ब उसको दुःख था तब कहा गये थे तुम और ज़ब वो बोल पड़ी हे तो समझाने आ गये हो ज्ञान देना आसान हे लेकिन किसीकी जगह रहकर उसकी हालत समझना मुश्किल हम सिर्फ बोल रहे हे लेकिन वो भुगत रहा हे ये भूलना नहीं चाहिए अगर किसीके बरताव में बदलाव आ जाये तो एक बात जरूर दिमाग़ में लाना अरे नहीं ये तो ऐसी नहीं थी जरूर इसके आत्मसम्मान को कही ठेस पोह्ची हे नहीं तो सबके साथ घुल मील कर रहने वाला व्यक्ती अकेला रहने लगे तो समझना शब्दों के तिरो से घायल हे जैसी अपनी इच्छा वैसी दुसरो कि भी होगी दुसरो कि इच्छाओ कि कदर् करे उसकी इच्छा पूरी करने में शायद न मदद कर पाओ लेकिन उसे ये कभी मत कहना कि तेरा फैसला गलत हे किसी कि इच्छाओ दबाना भी बहोत बड़ा पाप होता हे इस जन्म अगर तुम उसकी इच्छा पूरी न होने का कारण बने तो अगले जन्म में ये तुम्हरा कर्म का फल तुम्हे हार हाल में भुगतना होगा ये याद रखना इस संसार में हर व्यक्ती को अपनी इच्छा अपने ख्वाब पुरे करने का और अपनी जिंदगी अपने मुताबिक जीने का पूरा अधिकार हे.. इसलिए अपनी इच्छाओ कि तरह दुसरो कि इच्छाओ को भी उतना हि महत्व दें जितना अपने इच्छाओ देते हे

कु,कविता चव्हाण,
जलगांव,
महाराष्ट्र

एटीएम बदल कर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार,

25 से ज्यादा घटनाओं को दिया था अंजाम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मई 2023
(घटती-घटना)।

एटीएम से रुपए निकालने के दौरान लोगों की मदद करने के बाहने एटीएम कार्ड बदल कर धोखाधड़ी करने के मामले में सरगुजा पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी झारखंड के रांची का रहने वाला है जबकि इसका सहयोगी जशपुर का रहने वाला है। मुख्य आरोपी अपने सहयोगी के साथ कार से अंबिकापुर आता था और एटीएम बूथों पर जाकर भोले-भाले आमनागरिकों को सहायता करने के नाम पर एटीएम कार्ड बदलकर रुपए आहरित कर लेता था। मुख्य आरोपी आदतन बदमाश है। वह दिल्ली जेल में हत्या के मामले में सजा काट रहा था। वर्ष 2019 में पैरोल पर बाहर आया था। इसके बाद से वह फरार चल रहा था और एटीएम टेंपरिंग कर धोखधड़ी करने का काम कर रहा था। दिल्ली पुलिस इस पर दस हजार का इनाम भी घोषित कर रखा है।

इस मामले का खुलासा करते हुए एसपी भावना गुप्ता ने बताया कि थाना कोतवाली, मणिपुर, बतौली में अलग-अलग लोगों का एटीएम कार्ड बदल कर रुपए निकाले जाने का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर टीम का गठन किया गया था। सीसीटपीवी फुटेज व

साइबर सेल सेर प्राप्त आवश्यक तकनीकी जानकारी प्राप्त कर संयुक्त टीम रांची झारखंड के लिए रवाना हुई थी। ऑपरेशन साइबर क्लीन के तहत संयुक्त टीम द्वारा एटीएम अदला बदली करने के मामले में शातिर आरोपी मुकेश कुमार सोनी निवासी धुर्वा, रांची, झारखण्ड के ठिकानों पर दबिश दी गई। दबिश की जानकारी लगते ही आरोपी ट्रक से लिफ्ट लेकर बिहार की ओर भाग रहा था। जो संयुक्त पुलिस टीम की सतर्कता एवं सजगता से आरोपी का लगभग 200 किमी पीछा कर घेराबंदी कर छतरपुर झारखण्ड से पकडने में सफलता मिली है। आरोपी से घटना के सम्बन्ध में पूछताछ करने पर वह अपने एक सहयोगी जशपुर बगीचा निवासी सुनील दास के साथ रांची से कार के माध्यम से अम्बिकापुर आकर एटीएम बूथों पर जाकर भोले-भाले आमनागरिकों को सहायता करने के नाम पर एटीएम की अदला बदली कर ठगी करने की बात स्वीकार किया है। मुख्य आरोपी मुकेश के निशानदेही पर इसके सहयोगी सुनील दास को भी गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी मुकेश सोनी काफी शातिर एवं आदतन अदमाश है। इस पर दिल्ली में एक कॉन्ट्रैक्ट की हत्या के मामले में दिल्ली जेल में 6 साल से निरुद्ध था वर्ष 2019 में पेरोल मिलने के बाद वह फरार हो गया था। वहीं दिल्ली पुलिस इस पर 10 हजार का का नकद इनाम रखा था। फरारी के पश्चात आरोपी इधर लगातार ठगी की घटना को अंजामा दे रहा था। वहीं वर्ष 2012 में आरोपी द्वारा अपने घर में नक्सली को शरण देने का भी अपराध है। वह रांची जेल से 4 माह की सजा काट चुका है। एसपी ने बताया कि ये आरोपी सरगुजा संभाग में 25 से ज्यदा एटीएम कार्ड बदल कर धोखाधड़ी कर चुके हैं। वहीं सरगुजा में 5 घटना को अंजाम दिए हैं। आरोपी अंबिकापुर आते थे और होटल में रूकते थे। इसके बाद दिन में घूम-घूमकर गार्ड रहित एटीएम सेंटर को चिन्हित करते थे और जिस समय टीएम के अंदर कम लोग रहते थे ये प्रवेश करते थे और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सहयोग करने के नाम पर एटीएम कार्ड बदल लेते थे और चोरी से इनका पीन भी देख लेते थे। इसके बाद ये दूसरे एटीएम पर जाकर रुएप निकाल लेते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार, 1 मोटरसाइकिल, 32 नग एटीएम कार्ड, 4 नग मोबाइल, 1 जियो वाइफाइ आरोपी के निशानदेही पर बरामद किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाईकर जेल दाखिल कर दिया है।

ये लोग हुए थे ठगी के शिकार

शहर के मिशन चौक निवासी प्रेमाकांत बघेल 24 नवंबर 2022 को चोपड़ापारा एटीएम में रुपए निकालने गई थी। इस दौरान कार्ड बदल कर इनके खाते से 80 हजार की रुपए निकाल लिए गए थे। बतौली थाना क्षेत्र निवासी मुनेश्वरी बाई से भी एटीएम कार्ड बदल कर और पीन चोरी कर 25 फरवरी को 65 हजार का आहरण कर लिया गया था। 19 अगस्त को प्रेमनगर क्षेत्र में कीर्ति टोपे से 30 हजार 500 व 27 फरवरी 2023 को किरण तिर्की निवासी नमनाकला का एटीएम कार्ड बदल कर 10 हजार रुपए की धोखधड़ी किया गया था। पीड़ितों ने थाना कोतवाली, मणिपुर, बतौली में अपराध दर्ज कराया था।

आरोपी 50 लाख की लागत से बनवा रहा था घर

मुख्य आरोपी मुकेश लोगों से धोखाधड़ी कर रांची में 50 लाख कर घर बनवा रहा था। धोखाधड़ी का काम करने में असानी हो इस लिए वह पत्नी को अलग किराए में रांची में ही रखा था और स्वयं भी अलग किराए के घर में रहता था। धोखाधड़ी का पैसा के लिए पत्नी क बैंक खाते का उपयाग करता था।

कार्रवाई में ये रहे शामिल

थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक धीरेन्द्र दुबे,थाना प्रभारी मणिपुर उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय, उप निरीक्षक अनीता आयाम, सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार यादव, विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, पन्नालाल,महिला आरक्षक स्मिता रागिनी, आरक्षक संजीव चौबे, सत्येंद्र दुबे, रुपेश महंत, अनुज जायसवाल, जितेश साहू, मनीष सिंह, वीरेंदर पैकरा, रमेश प्रसाद शामिल रहे। वहीं एसपी ने टीम को 5 हजार रुपए नकदी व प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया है।

हमेशा से श्रम और पूंजी का रहा है संघर्ष : टीएस सिंहदेव

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मई 2023
(घटती-घटना)।

ट्रेड यूनियन कौंसिल छत्तीसगढ़ द्वारा प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी 1 मई को श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिक महा सम्मेलन का आयोजन किया गया। माता राजमोहिनी देवी भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि श्रम के संबंध में हमेशा से संवेदनशील स्थिति रही है। इसमें कोई दो बात नहीं की मानव व्यवस्था बिना श्रम के टिकी नहीं रह सकती। परिवार, समाज, देश हो या दुनिया सभी श्रम पर टिके हुए हैं। हमेशा से श्रम और पूंजी का संघर्ष रहा है। उन्होंने कहा कि हर कोई व्यक्ति अपनी जगह पर श्रम करता है। सभी के इस योगदान का सही आंकलन हो सके यह सदियों से हर व्यवस्था में एक संघर्ष का अध्याय बना रहा। सभी जगह एक बड़ी पूंजी पब्लिक के टैक्स से पैसे के रूप में सरकार के पास आती है और सरकार श्रम करने वालों को उचित राशि दिलाने का प्रयास करती है परंतु अभी भी अंतर अस्वीकार बना हुआ है। यही हम सबकी जिम्मेदारी और कर्तव्य है कि चाहे वह जनप्रतिनिधित्व का कार्य हो या फिर स्वयं का कार्य श्रम करने वालों को जो राशि हम उपलब्ध करा पाते हैं वह अपने परिवार का पालन पोषण एक न्यूनतम स्तर पर कर सके इस ओर पहल करने की आवश्यकता है।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि रसोइयों को मनरेगा के माध्यम से प्राप्त होने वाली मजदूरी से भी कम मानदेय हम उनको दे पा रहे हैं, ऐसे बच्चे जिन्हें हम अपना भविष्य कहते हैं और जो उनका लालन पालन कर रहे हैं उनके साथ यह अन्याय है। सरकार को निश्चित रूप से उनके मानदेय में बढ़ोतरी के लिए विचार करना चाहिए। बजट के बाद अब सप्लीमेंट्री बजट ही एक जुगाड़ है। इसके लिए आप सभी प्रयास करें मैं भी पहल करूंगा। इस दौरान विधायक व ट्रेड यूनियन कार्उसिल के जिलाध्यक्ष गुलाब कमरों, बालकृष्ण पाठक, अजय अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, ट्रेड यूनियन काउंसिल के प्रांताध्यक्ष डॉक्टर जेपी श्रीवास्तव, महिला आयोग की सदस्य नीता विश्वकर्मा, सहित अन्य अन्य संबोधित किया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता,द्वितेंन्द्र मिश्रा, प्रमोद चौधरी, आशीष वर्मा, ओनिमेष, अशफाक अली, दुर्गेश गुप्ता सहित भारी संख्या में ट्रेड यूनियन कार्उसिल के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

इन्हें नवाजा गया श्रम श्री अलंकरण सम्मान से

आयोजन के दौरान श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जिला प्रशासन से पीलन राम, पुलिस विभाग से अनिल तिर्की, नगर निगम से शिवनारायण, स्वास्थ्य विभाग से श्रीमती इंदु कुशवाहा, एसएलआरएम से श्रीमती सुनीता साखरेल, मैनपाट से गेलेक ग्यलेसन, दशमेश स्कूल से श्रीमती प्रेम मुनि गाइन, रसोईया संघ से श्रीमती चिंतामणि दास, नर्सिंग कॉलेज से पवन कुमार त्यागी, स्वच्छता विभाग से संगीता गुप्ता व राजपुर से बिगन राम को श्रम श्री अलंकरण से सम्मानित किया गया।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में मरीजों व परिजनों के लिए प्याऊ का शुभारंभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मई 2023
(घटती-घटना)।

मरीजों व उनके परिजनों के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर के अंदर सोमवार को पियाउ का शुभारंभ किया गया। प्याऊ का व्यवस्था अनोखी सोच संस्था किया गया है। प्याऊ का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर रमनेश मूर्ति, अस्पताल अधीक्षक आरसी आर्या द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने ठंडा पेयजल और गुड़ चना भी ग्रहण किया।

अनोखी सोच संस्था के अध्यक्ष प्रकाश साहू ने कहा कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रोजाना हजारों की संख्या में मरीज पहुंचते हैं ऐसी स्थिति में गर्मी और मरीजों द्वारा पेयजल की खोजबीन को देखते हुए यह आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि यहां प्याऊ की व्यवस्था हो सके। डीन व अस्पताल अधीक्षक से चर्चा करने के बाद अनोखी सोच द्वारा यह प्याऊ का शुभारंभ किया गया है। इसके साथ साथ लोग खाली पेट पानी ना पिए इसके लिए गुड़ और चना की भी व्यवस्था की गई है। शुभारंभ के दौरान डॉ. अर्पण सिंह, राज मैडम, सिस्टर रश्मि मशीह, प्रियंका कुरील, सुमन सिंह व अस्पताल के अन्य स्टाफ के साथ अनोखी सोच संस्था के कोषाध्यक्ष अभय साहू, विधायक प्रतिनिधि विनय शर्मा, नीरज साहू ,सुनील साहू, संतोष साहू ,गोपी साहू, बिट्टू, प्रदीप, निशांत, विकास साहू, ननकू मुंडा, मिथिलेश, लाला साहू, कार्तिक मिंज, विशाल साहू सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

बाइक दुर्घटनाग्रस्त होने से युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मई 2023
(घटती-घटना)।

बाइक दुर्घटनाग्रस्त होने से एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रंगलाल पंडो पिता देवबहादुर पंडो उम्र 21 वर्ष लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुहपुटरा का रहने वाला था। रंगलाल 30 अप्रैल की दोपहर तीन बजे बाइक से गांव के ही दुकान में सामान खरीदने बाइक से गया था। वापस आते समय पुहपुटरा नाला के पास बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सडक़ दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 मई 2023
(घटती-घटना)।

शहर के खरसिया चौक स्थित रिंग रोड में रविवार की रात बाइक दुर्घटनाग्रस्त होने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। जानकारी के अनुसार अनिमेश केरकेट्टा पिता लाली उरंव उम्र 27 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कर्रा पाटीपारा का रहने वाला था। वह अंबिकापुर चांदनी चौके के पास स्थित टायर रिसोलिंग दुकान में रहकर काम करता था। अनिमेश रविवार की रात करीब 10 बजे बाइक से कहीं जाने निकला था। खरसिया चौक के पास स्थित रिंग रोड में बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मोबाइल की गिरफ्त में स्कूली बच्चे

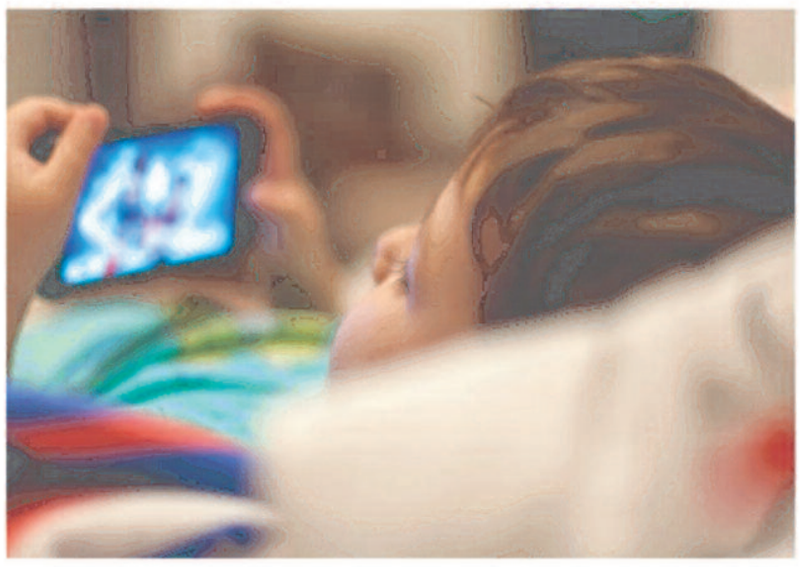

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

गर्मी की छुटिट्यां शुरू हो चुकी है और बच्चे न तो खेलकूद कर रहे हैं न ही पार्क में दिखाई दे रहे हैं। वह तो केवल मोबाइल से चिपके हुए हैं।

एक दशक पूर्व बच्चे खेलकूद कर ही अपना मनोरंजन करते थे। इससे वह खेलकूद में माहिर होते थे साथ ही तंदुरुस्त भी होते, लेकिन परिवार के हर सदस्य के हाथों में देखकर बच्चों में भी मोबाइल की लत लग चुकी है। पहले खेलकूद और बाल पत्रिकाओं से बच्चों का मनोरंजन तो होता ही था। इसके बाद टीवी पर कार्टून का चलन था। वह कम हुआ तो क्योंकि बच्चों में मोबाइल की लत लग चुकी है, जो बेहद गंभीर साबित हो रहा है।

बच्चे भी बड़ों की तरह मोबाइल की गिरफ्त में है। उन बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है जो मोबाइल के बिना खाना तक नहीं खाते। मतलब जिद बढ़ती जा रही है और यह इसलिए हो रहा क्योंकि हर घर में प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में स्मार्ट फोन है। बच्चे बड़ों को देखकर ही सीख रहे हैं। इसके लिए पालकों को गंभीर होना पड़ेगा।

जिद्दी व चिड़चिड़े हो रहे बच्चे

डॉक्टरों का कहना है कि मोबाइल पर लगातार वीडियो देखने या गेम खेलते रहने से बच्चों के आंखों को नुकसान तो है साथ ही उनमें क्रोध और हिंसक भावनाएं भी बढ़ा रही है। अधिकतर गेम हिंसक ही होते हैं, जिसके कारण चिड़चिड़े हो रहे हैं। बच्चे जिद करना, लड़ाई-झगड़ा और कई प्रकार के हिंसक कार्य को अंजाम दे देते हैं यह गेम्स का ही प्रभाव है।

चढ़ गए चश्मे

मोबाइल बच्चों के लिए मनोरंजन के साधन भले ही है , लेकिन बेहद नुकसानदायक है। ज्यादा देर तक मोबाइल स्क्रीन पर आंखे गड़ाए रखने से यह रेटिना को प्रभावित करती है। इसके चलते ही कम उम्र में पॉवर चश्मे चढ़ चुके हैं। यह कतई अच्छी बात नहीं है।

केन्द्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने नन्हे चित्रकार की पेंटिंग को सराहा

2100 रूपये का दिया पुरूस्कार
शेयर की इंस्टाग्राम आई.डी

- संवाददाता -
रामानुजनगर, 01 मई 2023
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के उभरते नन्हे चित्रकार हर्ष साहू जो कि मात्र अभी 13 वर्ष के हैं किन्तु अपनी इस छोटी से उम्र में वे चित्रकला में काफी अधिक निपूर्णता प्राप्त कर लिया हैं नन्हे चित्रकार के द्वारा बनाऐ गये रेणुका सिंह जी के चित्र को उन्हे भेंट किया। जिस पर केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह ने हर्ष द्वारा बनाये गये चित्रो का अवलोकन किया और बनाये गये पेंटिग की सरहना करते हुए काफी प्रषंसा किया साथ हर्ष के इंस्टाग्राम आई.डी. को खोल कर देखा और हर्ष द्वारा बनाये सभी पेंटिग को देखा कर बहुत खुष हुई और पुरूस्कार स्वरूप्

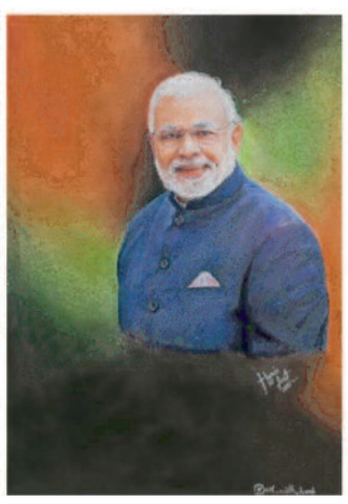

2100 रूपयें देकर हर्ष का सम्मान किया साथ ही उसके भविष्य को लेकर चर्चा की जिस पर हर्ष के द्वारा अपनी चित्रकला की इच्छाओं के बारे में बताया। हर्ष साहू शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर मे पदस्थ व्याख्यता रामबिलास साहू के पुत्र हैं और इस वर्ष साधुराम विद्या मंदिर सूरजपुर से कक्षा 9वीं की परीक्षा उत्तीर्ण किया हैं और भविष्य में चित्रकला के क्षेत्र में जाना चाहते हैं।

इस पर हर्ष साहू के द्वारा अपना इंस्टाग्राम आई.डी. आर्ट विथ हर्ष को शेयर किया गया ताकि लोग उनके द्वारा बनाये पेंटिंग को देख सके और पेंटिंग देख कर अपनी सुझाव आदि दे सके ताकि वे अपने प्रतिभा को और निखार व सुधार सकें।

जिले के नये कलेक्टर संजय अग्रवाल ने संभाला पदभार

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

जिले के नये कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज पदभार संभाल लिया है।

आज सुबह 11.30 बजे संयुक्त जिला कार्यालय के कलेक्टर कक्ष में कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा ने संजय अग्रवाल को अपना चार्ज दिया। श्री अग्रवाल जिले में 8 वे कलेक्टर के रूप में नियुक्त हुए हैं। संजय अग्रवाल 2012 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इसके पूर्व वे संयुक्त सचिव सामान्य प्रशासन विभाग, लोक निर्माण विभाग तथा विमानन, मिशन, संचालक स्वच्छ भारत मिशन के पद पर पदस्थ थे। पदभार ग्रहण के अवसर पर पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम, अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा, संयुक्त कलेक्टर डॉ. प्रियंका वर्मा उपस्थित थी।

CMYK

कोल्डड्रिंक से लेकर कैंडी तक की आपूर्ति पर असर डालेगा सूडान संकट

नई दिल्ली,01 मई 2023। सूडान में चल रहे संघर्ष का असर गम अरेबिक की आपूर्ति पर भी पड़ रहा है। गम अरेबिक सूडान के सबसे अधिक मांग वाले उत्पादों में से एक है। सूडान पूरी दुनिया में इसका निर्यात करता है। युद्ध की वजह से यह प्रभावित हुआ है। इसके चलते दुनिया में कोल्डड्रिंक, सौंदर्य प्रसाधन से लेकर कैंडी तक उत्पादन पर भी असर पड़ने की आशंका है।

आखिर ये गम अरेबिक होता क्या है? सूडान के अलावा और कहां-कहां इसका उत्पादन होता है? इसका क्या अलग-अलग उत्पादों में क्या इस्तेमाल है? गम अरेबिक का संकट कितना गहरा है? इसका विकल्प क्या है?

गम अरेबिक क्या होता है?

गम अरेबिक चिपकने वाले, फार्मास्यूटिकल्स, स्याही, मिष्ठान और अन्य उत्पादों में इस्तेमाल होने वाला पदार्थ होता है। दक्षिण सूडान में इसे गम अफ्रीका भी कहा जाता है। यह एक खास तरह के बबूल के पेड़ से निकाला जाता है। जो विशेष रूप से सूडान में ही पाए जाते हैं। अधिकांश बबूल की छाल टैनिन से भरपूर होती है, जिसका उपयोग टैनिंग और डाई, स्याही, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य उत्पादों में किया जाता है।

यह कैसे प्राप्त किया जाता है और कीमत कितनी होती है?

सूडान में खानाबदोश लोग बबूल के पेड़ों से कंकड़, लाल रंग के गोंद को निकालते हैं। इसे बाद में पूरे देश में रिफाइन और पैक किया जाता है। गम सूडान कंपनी के अनुसार, यह हजारों लोगों की आजीविका का साधन है। अधिक महंगी किस्म की कीमत लगभग 3,000 डॉलर प्रति टन होती है।

सूडान के बाहर कहीं-कहीं यह गम पाया जाता है लेकिन यह खराब गुणवत्ता वाला सस्ता गम होता है। कई कंपनियों की पसंदीदा सामग्री केवल सूडान, दक्षिण सूडान और चाड में बबूल के पेड़ों में पाई जाती है।

सूडान के अलावा और कहां-कहां इसका उत्पादन होता है?

दुनिया की गम अरेबिक की आपूर्ति का लगभग 70 फीसदी सूडान से आता है। यह साहेल क्षेत्र में बबूल के पेड़ों से प्राप्त होता है जिसकी आपूर्ति सेना और अर्धसैनिक बल के बीच लड़ाई की वजह से बाधित हो रही है। इसके लिए विकल्प भी ज्यादा नहीं हैं। कोल्डड्रिंक में भी इसका इस्तेमाल होता है। कोका कोला और पेप्सिको जैसी कंपनियों ने संकट को देखते हुए तीन से छह महीने के भंडार कर लिए हैं।

क्या इसके विकल्प मौजूद हैं?

गम अरेबिक निर्यात व्यवसाय एजीपी इनोवेशन कंपनी लिमिटेड ने कहा कि उनके ग्राहक इसके स्रोत के लिए वैकल्पिक देशों की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह गम को रूऑन, फ्रांस में स्थित नेक्सिरा एसएएस और इलिनोइस स्थित वेस्टचेस्टर को बेचते हैं। ये घरेलू भोजन, पेय पदार्थ फिजी और पोषण बार जैसे उत्पादों के निर्माताओं को सामग्री के दो प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं।

उद्योग के सूत्रों ने कहा कि उनकी निर्माण प्रक्रिया में, खाद्य और कोल्डड्रिंक्स बनाने वाली कंपनियां गम के स्प्रे-सूखे रूप का उपयोग करती हैं जो पाउडर जैसा होता है। सौंदर्य प्रसाधन और छपाई निर्माता विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। हालांकि, फिजी में गम अरेबिक का कोई विकल्प नहीं है।

उपभोक्ता सामान उद्योग के लिए यह बहुत अहम है। यही कारण है कि गम अरेबिक को 1990 के दशक से सूडान के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट दी गई थी।

गम अरेबिक का संकट कितना गहरा है?

अधिकांश प्रमुख खाद्य और पेय फर्मों को गम अरेबिक के आपूर्तिकर्ता केरी ग्रुप ने इसकी अनुमानित कमी पर चिंता व्यक्त की है। समूह के खरीद प्रबंधक रिचर्ड फिननेगन के मुताबिक, संघर्ष ज्यादा समय तक जारी रहने से घरेलू नामों से बने ब्रांडेड सामानों पर असर हो सकता है। फिननेगन का अनुमान है कि मौजूदा भंडार पांच से छह महीने में समाप्त हो जाएंगे।

केरी ग्रुप के अनुमानों के अनुसार, गम अरेबिक का वैश्विक उत्पादन प्रति वर्ष लगभग 120,000 टन है, जिसकी कीमत 1.1 बिलियन डॉलर है। यह अधिकांश गम बेल्ट में पाया जाता है जो इथियोपिया, चाड, सोमालिया और इरिट्रिया जैसे देशों तक फैला हुआ है।

आपूर्ति क्यों बाधित हुई?

12 निर्यातकों, आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों ने बताया कि गम का व्यापार रुक गया है। गम अरेबिक यूएसए कंपनी के मोहम्मद अलनूर ने कहा कि उथल-पुथल और सड़क की रुकावटों के कारण सूडान के ग्रामीण हिस्सों से अतिरिक्त गम अरेबिक प्राप्त करना अभी असंभव है।

स्वीडन की गम सूडान कंपनी समेत केरी समूह और अन्य आपूर्तिकर्ताओं ने कहा कि जमीन स्तर पर अपने स्त्रोतों से संवाद करना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा पोर्ट सूडान जहां से उत्पाद भेज दिया गया है, लोगों की निकासी को प्राथमिकता दे रहा है। मुंबई स्थित आयातक विजय ब्रोस के प्रबंध निदेशक जिनेश दोशी ने कहा, हमारे आपूर्तिकर्ता युद्ध के कारण आवश्यक वस्तुओं को सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

तेजी से बढ़ रहा है विकीपीडिया का असर, यूजर्स की संख्या में भारी उछाल

वॉशिंगटन,01 मई 2023। विकीपीडिया का दुनिया भर में प्रभाव बढ़ रहा है। दुनिया भर में इंटरनेट यूजर सबसे अधिक जिस वेबसाइट पर विजिट करते हैं, वह विकीपीडिया ही है। यह नॉन-प्रोफिट (जो मुनाफे के लिए नहीं चलता) प्रयास है। विश्लेषकों के मुताबिक इस ऑनलाइन एनसाइक्लोपीडिया को असल में कैसे चलाया जाता है, इसको लेकर हमेशा रहस्य बना रहा है।

इसके बावजूद इस वेबसाइट पर विजिट करने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। हाल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित उपकरणों के जरिए डाटा तैयार करने का नया दौर आया है। विकीपीडिया यूजर्स का कहना है कि इस नए ट्रेंड के बीच ऑनलाइन एनसाइक्लोपीडिया का महत्त्व और बढ़ गया है।

अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक नए दौर में खास कर तीन वेबसाइट चर्चा के केंद्र में आए हैं। इनमें पहला patents.google.com है। इस साइट पर दुनिया भर में जारी पेटेंट्स का मूल आलेख रहता है। दूसरे नंबर wikipedia.org है, जो एक मुफ्त एनसाइक्लोपीडिया है। तीसरे स्थान पर scribd.com है। यह एक डिजिटल लाइब्रेरी है, लेकिन इसकी सेवा सिर्फ इसके ग्राहकों को उपलब्ध है।

विशेषज्ञों के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए डाटा जेनेरेशन से पहले भी विकीपीडिया इंटरनेट पर जानकारी सर्च करने का प्रमुख स्रोत था। सूचनाओं की तलाश में लोग सहज ही इस वेबसाइट पर पहुंच जाते हैं। अब विकीपीडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए डाटा जेनेरेशन करने की सुविधा का उपयोग कर रहा है। इस दौर में उसके यूजर्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। बीते मार्च में उसे 26 अरब पेज व्यू मिले- (यानी उसके 26 पेज देखे गए)। साल 2022 में विकीपीडिया को 279 अरब पेज व्यू मिले। यह संख्या 2021 की तुलना में 22 फीसदी ज्यादा थी।

विकीपीडिया के पेज व्यू विश्लेषण के मुताबिक इस पर आने वाले यूजर्स की संख्या खबरों के इर्द-गिर्द ज्यादा रहती है। जो खबर छायी हुई हो, लोग उससे संबंधित सूचनाओं की ज्यादा तलाश करते हैं। इसलिए अब विकीपीडिया में ताज खबरों के हिसाब से सूचना को अपडेट करने पर जोर दिया जा रहा है।

ब्रिटेन में चले गए आराम के दिन,70+ उम्र में भी अब काम करने की मजबूरी

लंदन,01 मई 2023। ब्रिटेन में अब आराम से बुढ़ापा गुजारना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। नए बनते हालात के बीच ज्यादातर बुजुर्गों को 70 वर्ष से भी अधिक की उम्र तक काम करते रहना पड़ रहा है। मजदूर दिवस पर जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले वर्षों में 70 वर्ष से अधिक उम्र तक काम करने की मजबूरी आधे से अधिक बुजुर्गों के सामने होगी। शोधकर्ताओं के मुताबिक इस नई समस्या का सबसे बड़ा कारण महंगाई है, जिसकी वजह से जीवन गुजारने का खर्च बढ़ गया है।

एक नए शोध के मुताबिक साल 2022 में 4,46,601 ऐसे व्यक्ति थे, जो 70 साल से अधिक उम्र हो जाने के बावजूद किसी ना किसी प्रकार के काम कर रहे थे। साल 2012 में ऐसे लोगों की संख्या 2,77,926 थी। यानी दस साल में ऐसे बुजुर्गों की संख्या में 61 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। रेस्टलेस नाम की संस्था के इस अध्ययन के मुताबिक 70 साल से अधिक उम्र में कार्यरत लोगों में ज्यादा संख्या पुरुषों की रही है। लेकिन हाल में ऐसी महिला श्रमिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। रेस्टलेस संस्था का

मुख्य काम बुजुर्ग श्रमिकों को परामर्श देना है।

नए अध्ययन के मुताबिक 2012 के पहले महिलाओं को पुरुषों की तुलना में पांच साल पहले रिटायर होने की सुविधा मिलती थी। लेकिन उसके बाद पुरुष और महिलाओं की रिटायरमेंट उम्र को समान करने की दिशा में आगे बढ़ने वाली नीति लागू कर दी गई। उसका परिणाम बुजुर्ग महिला श्रमिकों की संख्या बढ़ने के रूप में सामने आया है। 2012 के बाद ऐसी श्रमिकों की संख्या में 66 फीसदी वृद्धि हुई है, जबकि पुरुष श्रमिकों में यह वृद्धि 58 फीसदी रही है।

रेस्टलेस संस्था के चीफ एग्जिक्यूटिव स्टुअर्ट लुइस ने अखबार द गार्जियन से कहा- 'कोरोना महामारी आने के पहले ही दशकों में ऐसा पहली बार हुआ था, जब ब्रिटेन में जीवन प्रत्याशा (जन्म के समय शिशु के जीवित रहने की अपेक्षित औसत उम्र) घट गई थी।' लुइस ने बताया कि आज कामकाज के स्थलों पर जितने उम्रदराज लोग दिखते हैं, एक दशक पहले उनकी उतनी संख्या वहां नजर नहीं आती थी।

शोधकर्ताओं के मुताबिक रिटायरमेंट उम्र में पहुंच चुके बहुत से लोग आज काम करते रहने को मजबूर हैं, क्योंकि उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। लुइस ने कहा- 'हम आज देखते हैं कि बहुत से बुजुर्ग कर्मियों को अपना जीवन गुजारने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उनके पास रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी के लिए पर्याप्त बचत नहीं है। ऐसे में रोजमर्रा के खर्च जुटाने के लिए उनके पास काम करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।'

ब्रिटेन में सरकारी पेंशन मिलने की उम्र अब पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 66 वर्ष हो चुकी है। साल 2026 से इस उम्र में और बढ़ोतरी होने लगेगी। 2026 में अप्रैल 1960 के बाद जन्म लोगों के सरकारी पेंशन पाने की उम्र 67 साल हो जाएगी। जानकारों के मुताबिक उसके बाद इस उम्र में और बढ़ोतरी की संभावना है। पेंशन की उम्र बढ़ाने का ट्रेंड पूरे यूरोप में दिख रहा है। फ्रांस में इसे 62 से बढ़ा कर 64 साल कर दिया गया है, जिसको लेकर वहां जोरदार जन आंदोलन चल रहा है।

नेपाल में प्रभाव बढ़ाने की होड़ में चीन, चला 80 अरब रुपये का दांव

काठमांडो,01 मई 2023। चीन ने नेपाल पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नया दांव चला है। इससे यहां यह चर्चा शुरू हो गई है कि पुष्प कमल दहल के प्रधानमंत्री बनने से चीन को नेपाल में स्थितियां अपनी तरफ झुकती महसूस हो रही हैं। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के शासनकाल में नेपाल में अमेरिकी प्रभाव बढ़ने के साफ संकेत मिल रहे थे।

बीते सप्ताहांत नेपाल के वित्त मंत्री प्रकाश शरण महत के कार्यालय ने एक बयान जारी किया। उसमें बताया गया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण संबंधी परियोजनाओं पर खर्च के लिए नेपाल को चीन 80 अरब (नेपाली) रुपये देगा। इस बात पर सहमति महत और काठमांडू स्थित चीन के राजदूत चेन सोंग के बीच बातचीत में बनी। हालांकि नेपाल के वित्त और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने मीडिया को बताया है कि यह कोई नई सहायता नहीं है। चीन यह मदद देने का वादा

साल 2008 से करता रहा है। अब उसने यह रकम जारी करने का फैसला किया है।

विश्लेषकों के मुताबिक अब तक मिली जानकारी से यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह रकम उस सहायता रकम का हिस्सा भी है, जिसे देने की घोषणा अक्तूबर 2019 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान की थी। तब शी ने एलान किया था कि अगले दो साल में चीन नेपाल को 65 अरब रुपये (3.5 बिलियन युवान) देगा। कोरोना महामारी फैल जाने के कारण तब चीन यह रकम नहीं दे सका था।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- 'जैसे ही राष्ट्रपति शी नेपाल से वापस गए, कोरोना महामारी फैल गई। इसलिए चीनी राष्ट्रपति की घोषणा के तहत सहायता पाने के लिए हम बातचीत को आगे नहीं बढ़ा पाए। अब यह काम नेपाल के वित्त मंत्रालय का है कि वह इस बारे में चीन से बात करे और मिलने वाली रकम का उपयोग करे।'

आरोप है कि नेपाल की सरकारें चीन से मिलने वाली सहायता में प्राथमिकता तय करने में अब तक नाकाम रही हैं। चीन में नेपाल के राजदूत रह चुके लीला मणि पौडयाल ने कहा है- 'हम परियोजना का खाका तैयार करने, उनके बारे में चीन से बातचीत करने और निवेश लाने में नाकाम रहे हैं। हम परियोजना के बारे में अपने प्रस्ताव नहीं रख पाए हैं।'

अब नेपाल के वित्त मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग समन्वय प्रभाग के प्रमुख कृष्ण नेपाल ने आश्वासन दिया है कि नेपाल की वर्तमान सरकार जल्द ही चीन के साथ परियोजनाओं पर बातचीत शुरू करेगी। मंत्रालय के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि चीन अभी जो रकम देने पर सहमत हुआ है, वह बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) परियोजना के हिस्सा नहीं है।

पैराग्वे की सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार सैंटियागो पेना ने जीता राष्ट्रपति चुनाव

असुनसियन 01 मई, 2023। पैराग्वे की शीर्ष चुनावी अदालत ने पुष्टि की है कि सत्तारूढ़ कोलोराडो पार्टी के उम्मीदवार सैंटियागो पेना ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। सुपीरियर कोर्ट ऑफ इलेक्टोरल जस्टिस के अनुसार, 96 प्रतिशत से अधिक मतपत्रों की गिनती के साथ, 44 वर्षीय अर्थशास्त्री और पूर्व वित्त मंत्री को करीब 43 प्रतिशत वोट मिले। वो अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी एफ्रेन एलेग्रे से काफी आगे हैं, जो न्यू पैराग्वे के लिए गठबंधन के उम्मीदवार थे।

एलेग्रे ने 27.5 फीसदी वोट हासिल किए। पेना अगले पांच वर्षों तक शासन करने के लिए कोलोराडो पार्टी के राष्ट्रपति मारियो अब्दो बेनिटेज की जगह लेंगे।

चुनावों में, विधायिका के 45 सीनेटर और 80

प्रतिनिधि भी चुने गए।

अदालत के अनुसार, मतदाता भागीदारी 63.13 प्रतिशत थी।

दक्षिण अमेरिकी देश के 7.5 मिलियन लोगों में से लगभग 4.8 मिलियन लोग चुनाव में मतदान करने के योग्य थे।

पेना ने कहा, कोलोराडो की इस जीत के लिए धन्यवाद, पराग्वे की इस जीत के लिए धन्यवाद।

उन्होंने कहा, आज हम व्यक्तिगत जीत का जश्न नहीं मना रहे हैं, हम उन लोगों की जीत का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने अपने वोट से सामाजिक शांति, संवाद, बंधुत्व और राष्ट्रीय सुलह का रास्ता चुना।

खुफिया दस्तावेज लीक होने से अमेरिका-पाकिस्तान संबंध खतरे में

इस्लामाबाद,01 मई 2023। अमेरिका में लीक हुई खुफिया जानकारी से पाकिस्तान सरकार के लिए मुश्किल खड़ी हो गई। यहां पर्यवेक्षकों को अंदेशा है कि इस लीक से पाकिस्तान अमेरिका की सहानुभूति खो सकता है। लीक हुई जानकारी का सार यह है कि पाकिस्तान सरकार के अंदर इस बात को लेकर गहरे मतभेद हैं कि वह अपने को अमेरिका के पाले में रखे या चीन के। आम तौर पर धारणा रही है कि शहबाज शरीफ सरकार बनने के बाद पाकिस्तान अमेरिका के करीब गया है और दोनों देशों के रिश्ते पिछले एक साल में बेहतर हुए हैं।

अमेरिका में बड़ी संख्या में खुफिया दस्तावेज डिस्कॉर्ड मेसेजिंग प्लैटफॉर्म पर लीक हुए हैं। इन दस्तावेजों से यह पता चलता है कि विभिन्न देश अपने अंदरूनी आकलन में इस समय अमेरिका से अपने संबंधों के बारे में क्या समझ रख रहे हैं। लीक हुए दस्तावेजों का संबंध पाकिस्तान के अलावा भारत, ब्राजील और मिस्र से भी है। इन दस्तावेजों के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने रविवार को प्रकाशित की।

पाकिस्तान में हलचल इस बात को लेकर भी मची है कि जो अति गोपनीय टिप्पणी विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार ने विचार-विमर्श के लिए पाकिस्तान सरकार को भेजी, वह अमेरिका पहुंच गई। इसको लेकर कई पर्यवेक्षकों ने संदेह जताया है कि शहबाज शरीफ सरकार के कोई मंत्री या कोई उच्च पदस्थ अधिकारी

सरकार की अंदरूनी सूचनाएं अमेरिका भेज रहा है। खार ने अपनी टिप्पणी में सलाह दी थी कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते जा रहे भू-राजनीतिक टकराव के बीच पाकिस्तान को बीच का रास्ता अपनाना छोड़ देना चाहिए।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक खार ने यह टिप्पणी बीते मार्च में भेजी थी। इसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के लिए चीन और अमेरिका के बीच तटस्थ रहना संभव नहीं रह गया है। खार ने यह टिप्पणी 'पाकिस्तान के सामने कठिन विकल्प' शीर्षक से तैयार की थी। खार पहले पाकिस्तान की विदेश मंत्री भी रह चुकी हैं।

अपनी हालिया टिप्पणी में उन्होंने कहा कि अब पाकिस्तान को पश्चिम का तुष्टिकरण छोड़ देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका का साथी बनने का मतलब अपने देश के 'असल रणनीतिक साझेदारी' (चीन) की बलि चढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका से संबंध बनाने की कोशिश में पाकिस्तान चीन के साथ अपने संबंध के संपूर्ण लाभों को पाने से वंचित हो जाएगा।

खार ने यह दस्तावेज पाकिस्तान सरकार के अंदर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से आयोजित डेमोक्रेसी समिट में शामिल होने या ना होने को लेकर चल रही बहस के सिलसिले में तैयार किया था। पाकिस्तान ने इस शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लिया। यह इस बात का संकेत है कि खार की दलीलों को शरीफ सरकार ने स्वीकार कर लिया। चूंकि यह दस्तावेज अमेरिका के हाथ लग गया, इसलिए उसे यह मालूम हो गया है कि पाकिस्तान ने उससे बनते रिश्तों पर चीन को तरजीह दी है। इसका असर आने वाले दिनों में देखने को मिल सकता है।

विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने पिछले हफ्ते चीन की यात्रा की। पिछले हफ्ते ही खबर आई कि चीन ने अपने यहां से पाकिस्तान के ग्वादार तक रेल पटरी बिछाने की परियोजना तैयार कर ली है। इन खबरों से संकेत मिलता है कि पिछले साल पाकिस्तान के अमेरिका के पक्ष में झुकने के मिले संकेत अब कमजोर पड़ रहे हैं। चीन उस पर फिर हावी होता दिख रहा है।

जल संसाधन विभाग के सात करोड़ वाले स्टॉप डैम में भ्रष्टाचार की दरार

लाखों के स्टॉप डैम में आई दरार मॉनिटरिंग के अभाव में घटिया निर्माण की खुली पोल

- रवि सिंह -
मनेन्द्रगढ़ 01 मई 2023 (घटती-घटना)।

मॉनिटरिंग के अभाव में लाखों रुपये खर्च कर निर्मित स्टॉप डेम में निर्माण के कुछ दिनों में ही दरार आ गई जिससे अधिकारी के निगरानी व मूल्यांकन को लेकर अब जिले में यह सुर्खियों का विषय बना हुआ है क्यो की कुर्सी की लड़ाई में यह कार्यालय हमेशा चर्चित रहा है मामला एमसीबी जिले का का है जहा निर्माणाधीन डौकीझरिया स्टॉप डैम की पोल बारिश से पहले ही खुल गई है। स्टॉप डैम में कई जगह दरारें आ गई हैं। वहीं अफसर अब मेंटनेंस में होने की बात कहकर पल्ला झाड़ रहे हैं।

मिली जानकारी अनुसार जल संसाधन विभाग की तरफ से लगभग सात करोड़ की लागत से जिले में स्टॉप डैम का निर्माण करवाया गया था। लेकिन इस स्टॉप डैम की गुणवत्ता की पोल नौ महीने में ही खुल गई। यदि इस स्टॉप डैम पर नजरें डालें तो हर जगह भ्रष्टाचार की दरार साफ दिखाई दे रहा। इस स्टॉप डैम का निर्माण ऐसे तो किसानों को पानी देने के लिए किया गया है, लेकिन ये कितना पानी देगा इसका अंदाजा इसकी हालत देखकर लगाया जा सकता है वही नहर का कार्य भी अधूरा है।

करोड़ों के स्टॉप डैम का हाल बेहाल

जल संसाधन विभाग द्वारा भरतपुर सोनहत विधानसभा के विकास खंड जनकपुर के ग्राम चुटकी के डौकीझरिया में जल संसाधन विभाग ने इस डैम का निर्माण किया है। काम अभी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन काम के सुरुवात में ही निर्मित स्ट्रेक्चर में दरारें आ गईं। ऐसा नहीं है कि इस डैम को बनाने के लिए राशि की कोई कमी है ।शासन की ओर से सात करोड़ का बजट स्वीकृत होने के बाद ही डैम बनाना शुरु हुआ ।सुरुवात में कुर्सी को लेकर अधिकारी में खींचतान चली मॉनिटरिंग का भी अभाव था जिससे ये सात करोड़ रुपए कहां जा रहे हैं ये नहीं दिख रहा।

अन्य निर्माण का भी बुरा हाल

ये सिर्फ एक स्टॉप डैम की बात होती तो कोई बात नहो लेकिन जिले के भरतपुर में जितने भी स्टॉप डैम व जलाशय का निर्माण हुआ है. सभी की कहानी एक जैसी है। डैम का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की किल्लत को मिटाने और लगातार गिर रहे भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए किया गया है। लेकिन जिले के स्टॉप डैम में बारिश के पहले ही दरार आ गया जब कि इसके पूर्व मनेन्द्रगढ़ में निर्मित एक डैम में टूटने से काफी नुकसान हुआ था फिर भी जिम्मेदार मॉनिटरिंग को लेकर गंभीर नही है जिसका ही परिणाम है कि ठेकेदार मनमानी पर है। जिससे नव निर्मित कार्य मे दरार आना भ्रष्टाचार का जीता जागता उदाहरण है।

अफसर अपनी जिम्मेदारी से झाड़ रहे पल्ला

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में बने स्टॉप डैम में मौजूदा समय में पानी नहीं बचा है। जबकि इनका निर्माण पानी को रोकने के लिए किया गया है। वहीं 7 करोड़ की लागत से बनाए गए डैम की जानकारी देते हुए अनुविभागीय अधिकारी जनकपुर एच एस गुप्ता ने बताया कि जो डैम बनाया गया है. उसका 10 साल तक मेंटेनेंस रहता है । उसे अभी सुधरवा दिया गया है. क्योंकि डैम के अगल-बगल मिट्टी ज्यादा मात्रा में होने की वजह से डैम के किनारे पर दरार आ गई थी। अब सवाल यह उठता है कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन हैं क्या मेंटेनेंस के नाम पर जुगाड़ का खेल तो नही खेला जाता।

निर्माण के दौरान अनदेखी क्यों?

अफसर हर बार एक ही बात कहकर किसी भी मामले में अपनी पल्ला झाड़ने की कोशिश करते हैं। डैम का मेंटनेंस 10 साल का भले ही हो लेकिन जब इसका निर्माण किया गया तो इस बात का ध्यान क्यों नहीं रखा गया। अब जब पानी भरने से मिट्टी बह रही है, डैम में दरारें आ रहीं है तो मेंटनेंस की बात कहकर अफसर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। हकीकत तो ये है कि यदि निर्माण के समय ही डैम में भ्रष्टाचार ना होता तो यह नौबत नहीं आता किन्तु जिम्मेदार ठेकेदार के साथ मेलमिलाप कर मॉनिटरिंग करना ही भूल जाते है।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने किया श्रमिकों का सम्मान

» अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर कुमार चौक में हुआ आयोजन

» तिलक लगाकर मुंह मीठा कराया गया, भेंट स्वरूप टिफिन का वितरण

- संवाददाता -
कोरिया,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

1 मई अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे के द्वारा श्रमिकों का सम्मान किया गया,कुमार चौक में आयोजित एक सादे समारोह में सम्मान पाकर श्रमिकों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। श्रमिक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिक भाई बहनों को भाजपा उपाध्यक्ष श्री शिवहरे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तिलक लगाकर मुंह मीठा कराया गया तत्पश्चात भेट स्वरूप टिफिन का वितरण किया गया। ज्ञात हो कि बैकुंठपुर क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रमिक वर्ग निवास करते हैं और मेहनत के बल पर आय अर्जित कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रमिक वर्ग बैकुंठपुर शहर में आकर निर्माण कार्य में अपना योगदान देते हैं। शहर में चल रहे निर्माण कार्यों में इस वर्ग की अहम भूमिका होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए श्रमिक दिवस के अवसर पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने श्रमिक वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि शहर के लगभग घरों में आप लोगो ने श्रम किया है,लगातार आप मेहनत कर रहे हैं,आपकी मेहनत के बल पर ही शहर में कोई भी निर्माण कार्य संभव है।उन्होंने कहा कि मैंने श्रमिकों के जीवन को काफी करीब से देखा है,महसूस किया है। एक मौका था जब मैने भी कालरी की नौकरी में जनरल मजदूर के रूप में काम किया,और श्रमिकों की तकलीफ को करीब से देखा। श्री शिवहरे ने कहा कि वास्तव में इस विशेष मौके पर श्रमिक भाई बहनों को सम्मानित कर गर्व महसूस करते हुए कहा कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। सभी को उन्होंने श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित किया।आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे श्रमिकों को सम्मानित किया गया, इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, बसंत राय, सुभाष साहू, आशीष शुक्ला,पंकज गुप्ता, अनिल शर्मा, अनिल खटीक, डब्लू सिंह, रामकृष्ण शर्मा, रमन गुप्ता, बबलू महाजन, घनश्याम साहू, अभय दुबे, समीर जायसवाल, प्रखर गुप्ता, पिंटू सरदार, बबलू खान, सुरेन्द्र चक्रधारी, मनोज सोनी, गप्पू नामदेव, छोटू सोनवानी आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

सज-धज कर तैयार हुआ रामकथा का पंडाल,शहर को किया गया भगवामय

» सज धज कर तैयार हुआ रामकथा का पंडाल,शहर को किया गया भगवामय

» मंगलवार को निकलेगी भव्य कलश यात्रा,तैयारी पूरी

- संवाददाता -
बैकुंठपुर,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

देवराहा बाबा सेवा समिति द्वारा प्रेमाबाग प्रांगण में आयोजित श्री रामकथा की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है,कथा स्थल पर पंडाल समेत अन्य आवश्यक तैयारियों को पूर्ण कर लिया गया है,समिति सदस्य आयोजन को सफल बनाने के लिए काफी प्रयास कर रहे हैं,आयोजन के पहले दिवस मंगलवार को कथाचार्य रामस्वरूपाचार्य जी महाराज की उपस्थिति में भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी।

आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने बताया कि श्री रामकथा के लिए समिति द्वारा कथा स्थल से लेकर सभी प्रमुख मार्गो, चौक चौराहों, मंदिरों को विशेष रूप से सजाया संवारा गया है, इस बार अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक कामदगिरी पीठाधिश्वर जगतगुरु रामनंदाचार्य स्वामी श्री रामस्वरूपाचार्य जी महराज के श्रीमुख से रामकथा का वाचन किया जाएगा जो की हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय है और उनके आगमन की सूचना पर सनातन प्रेमियों में हर्ष का माहोल भी व्याप्त है। उनके साथ साध्वी अमृतानंदमयी मानस समीक्षा प्रयागराज का भी प्रवचन होगा, श्री शिवहरे ने बताया कि आयोजन के पहले दिन मंगलवार को शाम 4 बजे कलश यात्रा निकाली जायेगी, जिसमे माताओं बहनों से पीला वस्त्र धारण कर शामिल होने का आह्वान किया गया है। समिति द्वारा प्रतिदिन कथा समाप्ति के बाद भंडारे की व्यवस्था की गई है। आयोजन के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली गई है। समिति अध्यक्ष ने सभी सनातन प्रेमियों से कलश यात्रा के साथ ही श्री रामकथा में शामिल होने का आह्वान किया है।

अच्छे-अच्छे लोग बैठे थे पटना नगर कांग्रेस अध्यक्ष बनने की राह तकते...प्रकाश पाण्डेय को मिली जिम्मेदारी

» कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने स्वयं पटना आकर सौंपी जिम्मेदारी,दिया नियुक्ति पत्र

» प्रकाश पाण्डेय के नगर अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने से कांग्रेस का ही एक वर्ग दिखा नाखुश,रहे किनारे

» यवत सिंह के खास समर्थक हैं प्रकाश पाण्डेय,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष यवत सिंह से खासा है जुड़ाव

- रवि सिंह-
कोरिया 01 मई 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी ने पटना नगर अध्यक्ष पद पर प्रकाश पाण्डेय को जिम्मेदारी सौंप कर नई जिम्मेदारी की बधाई दी है,स्वयं जिलाध्यक्ष कोरिया कांग्रेस कमेटी नजीर अजहर ने यह नियुक्ति पत्र पटना पहुंचकर प्रकाश पाण्डेय को दी और उन्हे पार्टी के विचारधारा को आगे ले जाने के लिए प्रेरित भी किया। प्रकाश पाण्डेय जो इस पद की दौड़ में बिल्कुल नहीं थे को जिम्मेदारी मिलने पर उनके शुभचिंतकों ने उन्हे बधाई दी और माला पहनाकर उनका सम्मान भी किया।

बता दें की कांग्रेस कमेटी पटना नगर अध्यक्ष पद की दौड़ में कई लोग लगे हुए थे और वह लगातार प्रयास भी कर रहे थे की उन्हे यह जिम्मेदारी मिल सके लेकिन सबकी दावेदारी को किनारे करते हुए जिलाध्यक्ष ने प्रकाश पाण्डेय पर भरोसा जताया और उन्हे यह जिम्मेदारी सौंपकर क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का उन पर विश्वास जताया। प्रकाश पाण्डेय पुराने कांग्रेसी नेता हैं और वह लगातार कांग्रेस पार्टी के लिए ही काम करते चले आए हैं यह अलग बात है की वह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष यवत सिंह से सबसे करीबी हैं और उनके खास समर्थक भी वह रहते चले आए हैं। प्रकाश पाण्डेय के नगर अध्यक्ष बनने से कांग्रेस का ही एक वर्ग नाखुश नजर आया और वह इस दौरान अनुपस्थित भी दिखा।

वैसे माना जा रहा है की जिलाध्यक्ष कांग्रेस भले ही देर से सक्रिय हुए हैं लेकिन ऐन चुनाव के समय वह सक्रिय होकर यह साबित करना चाह रहें हैं की वह कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने जी जान से जुटे हुए हैं। प्रकाश पाण्डेय को मिली जिम्मेदारी के पीछे युवा नेता नीलेश पाण्डेय की राय जो उन्होंने जिलाध्यक्ष को दी है को भी वजह माना जा रहा है और यह कयास लगाए जा रहें हैं की जिलाध्यक्ष के खास सलाहकार निलेश पाण्डेय की ही राय अनुसार प्रकाश पाण्डेय को पटना नगर अध्यक्ष का पद दिया गया है। प्रकाश पाण्डेय वैसे तो कांग्रेस पार्टी के ही सदस्य हैं लेकिन वह उतने सक्रिय कभी रहे नहीं जितना की इस पद अनुरूप जरूरी है। अब नई और बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद उनकी कार्यप्रणाली कैसी होगी यह आने वाला वक्त बताएगा। वैसे पूर्व जिला पंचायत यवत सिंह के खास प्रकाश पाण्डेय के लिए यह भी महत्वपूर्ण होगा की वह नाराज चल रहे यवत सिंह को किस तरह पार्टी की मुख्यधारा से जोड़ पाते हैं और उन्हे सक्रिय कर पाते हैं। वैसे उनकी नियुक्ति यवत सिंह को भी साधने के हिसाब से की गई और पार्टी की एक मंशा यह भी उनकी नियुक्ति के पीछे है की वह यवत सिंह को अवश्य मनाकर पार्टी से जोड़ पाएंगे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
-:नियुक्ति पत्र:-

21 मई 2023 को मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना प्रभारी सचिन सिंह रचेंगे एक नया इतिहास

- सैकड़ों शिकायतों के बावजूद मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना प्रभारी पूरा करेंगे मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने में अपना तीसरा कार्यकाल
- विभागीय पकड़ ऐसी की एक ही पुलिस थाने में बिताए उन्होंने तीन साल, शिकायतों का भी असर उनके कार्यकाल पर नहीं पड़ा
- मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने के सूचना पटल पर जब भी जायेगी नजर,सचिन सिंह के कार्यकाल की सराहना होगी
- मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने में तीन साल प्रभारी बनकर कार्य करने वाले पहले थाना प्रभारी बनेंगे सचिन सिंह

- रवि सिंह -
मनेन्द्रगढ़ ,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

नवीन जिले एमसीबी के गठन से पूर्व से ही मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना प्रभारी बनकर कार्य कर रहे तत्कालीन उप निरीक्षक एवम वर्तमान में निरीक्षक सचिन सिंह मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने में इतिहास रचने जा रहें हैं। वह मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने के ऐसे प्रभारी बनने जा रहे हैं जिनको एक ही पुलिस थाने में लगातार कार्य करते हुए प्रभारी बनकर 3 साल होने जा रहें हैं। 21 मई 2023 को उनके एक ही पुलिस थाने में तीन सालों का कार्यकाल पूरा हो जायेगा और वह एक नया इतिहास पुलिस विभाग के हिसाब से लिख चुके होंगे। सैकड़ों शिकायतों और बिना वर्दी भी ड्यूटी करने वाले निरीक्षक सचिन सिंह को पूरे तीन सालों के कार्यकाल में एकबार भी पुलिस थाना मनेंद्रगढ़ से अन्यत्र नहीं भेजा गया और वह एक ही जगह अपना तीन साल बिना किसी रोकटोक के काटने जा रहें हैं।

उप निरीक्षक से निरीक्षक बने फिर भी नहीं हुआ तबादला

सचिन सिंह एक ऐसे निरीक्षक हैं जिन्हे उप निरीक्षक से निरीक्षक पद पर पदोन्नति मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना प्रभारी रहते हुए मिली,पदोन्नति पश्चात तबादले का नियम भी है लेकिन इन्हें हटाने की हिम्मत बड़े अधिकारियों में नहीं दिखी और यह पदोन्नत होकर भी मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने में ही जमे रहे। अविभाजित कोरिया जिले के समय से ही इनकी पदस्थापना मनेंद्रगढ़ पुलिस थाने में बनी हुई थी जो जिला विभाजन के बाद भी बनी हुई है और यह एक कीर्तिमान की ओर अग्रसर हैं।

राजनीतिक पकड़ है मजबूत,वरिष्ठ अधिकारियों से भी है मधुर संबंध

थाना प्रभारी मनेंद्रगढ़ सचिन सिंह के बारे में जैसा की बताया जाता है इनकी राजनीतिक पकड़ मजबूत है और इनकी अपने वरिष्ठ अधिकारियों से भी अच्छी बनती है और यही वजह है की इनकी पदस्थापना बदलने में किसी को कोई रुचि नहीं होती। थाना प्रभारी मनेंद्रगढ़ सचिन सिंह राजनीति में इतनी ऊंची पकड़ रखते हैं की बताया जाता है की प्रदेश के सत्ताधारी दल के सबसे बड़े ओहदे पर बैठे राजनेता से उनकी अच्छी घनिष्ठता है और यही वजह है वह एक ही पुलिस थाने में तीसरा साल बिताने जा रहें हैं।

सत्ताधारी दल के नेता थाना प्रभारी का करते रहते हैं गुणगान

थाना प्रभारी का सत्ताधारी दल के नेताओं पर भी बेहतर पकड़ है,उनकी किसी मामले में यदि कोई बुराई होती भी है तो तत्काल सत्ताधारी दल के नेता सामने आ जाते हैं और थाना प्रभारी का गुणगान कर उनकी महिमा मंडन में लग जाते हैं। यदि सत्ताधारी दल के नेताओं की बात की जाए तो अधिकांश थाना प्रभारी के गुणगान में ही रत नजर आते हैं और उनकी ही लय में लय मिलाते हैं।

शिकायतों पर भी वरिष्ठ अधिकारी बने रहते हैं मौन,नहीं होती प्रभारी पर कोई कार्यवाही

थाना प्रभारी की शिकायतें कई सामने आई और कई बार शिकायत सार्वजनिक भी हुई लेकिन शिकायतों को लेकर वरिष्ठ अधिकारी मौन ही साधे रहे हैं और थाना प्रभारी के ऊपर तबादले की भी कार्यवाही नहीं होती। इस सभी की वजह थाना प्रभारी की ऊंची पकड़ को माना जाता है और इसीलिए बड़े अधिकारी उनसे भय भी खाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर राजस्व मंत्री बोरे बासी खाकर श्रमिकों को दी शुभकामनाएं

- संवाददाता -
कोरबा,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

जिले के विधायक एवं प्रदेश राजस्वमंत्री जयसिंह अग्रवाल नेअंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर कई आयोजनों में हुए शामिल उन्होंने श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमवीरों के सम्मान में बोरे बासी छत्तीसगढ़ की पारंपरिक चेच भाजी, खेड़ा की सब्जी, आम के अचार और प्याज के साथ बोरे-बासी का स्वाद लेते हुए अपने दिन की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रदेशवासियों और श्रम वीरों को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आह्वान पर हम श्रम दिवस को बोरे बासी दिवस के रूप में मना रहे हैं साथ ही हम सभी बोरे बासी खाकर श्रमिको के प्रति अपना सम्मान प्रकट कर रहे हैं छत्तीसगढ़ मे बोरे बासी में सम्मिलित व्यंजनों का बहुत अधिक महत्व है। यहां हर वर्ग के लोग बड़े चाव से बोरे-बासी खाते हैं इसके पोष्टिक तत्वों से बहुत अधिक ताकत मिलती है इसलिए ज्यादातर सभी लोग काम पर जाने से पहले बोरे बासी खाकर निकलते हैं इसके उपरांत वे छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री शपथ ग्रहण समारोह दीनदयाल मार्केट स्थित पीली कोठी में मुख्य आतिथ्य शामिल हुए इस अवसर पर व्यापारियों को संबोधित करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित के विकास कार्यों के साथ प्रदेश में व्यापार को बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है कोरबा जिले में व्यापारियों की सुविधाओं के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी,व्यापारी हित के लिए सरकार पीछे नहीं हटेगी कार्यक्रम में अतिथि उद्बोधन के पूर्व शपथ ग्रहण अधिकारी एवं प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी ने चेंबर की जिला इकाई के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए उनसे व्यापारिक हित के साथ-साथ सामाजिक हित में भी कार्य करने का आह्वान किया तत्पश्चात घंटाघर ओपन थिएटर में डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदेश के श्रमिकों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं साथ ही वार्ड नंबर 21 घंटाघर क्षेत्र में लागत से होने जा रहे सौंदर्य करण कार्यों का किया भूमिपूजन इस दौरान निगम महापौर राजकिशोर प्रसाद सहित समस्त कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी सदस्यगंगन एवं नगर वासी मौजूद रहे।

मई दिवस पर एसईसीएल दीपका में कलिंगा कंपनी के बाउंसर ने चालक का फोड़ा सिर

- संवाददाता -
कोरबा, 01 मई 2023 (घटती-घटना)।

एसईसीएल दीपका खदान में कलिंगा नामक निजी कंपनी के बाउंसर की गुंडई सामने आई है जहां बाउंसर ने प्रताड़ना की हदें पार करते हुए चालक की जमकर पिटाई कर दी इतना ही नहीं कलिंगा कंपनी का बेलगाम बाउंसर ने ड्राइवर का सिर फोड़ दिया जिससे चालक बुरी तरह से घायल हो गया वहीं घटना के बाद ठेका कर्मियों ने काम बंद कर दिया निजी कंपनी के बाउंसर और कर्मचारियों के बीच जमकर हाथापाई हुई जानकारी के अनुसार, घायल प्रेमचंद पटेल कलिंगा कंपनी में चालक के पद पर पदस्थ है घटना के बाद कर्मियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है वहीं बाउंसरों को हटाने और घायल का इलाज के साथ आर्थिक सहायता राशि देने की मांग कर रहे हैं साथ ही मामले की जानकारी दीपका थाना पुलिस को दी गई।

साय का भाजपा तो कांग्रेस में सिंह देव का पुछ नहींःविनोद सिन्हा

- संवाददाता -
कोरबा, 01 मई 2023 (घटती-घटना)।

सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सिन्हा ने जारी एक बयान में बताया कि भाजपा के आदिवासी नेता नंदकुमार साय भाजपा से इस्तीफा दे दिया हैं,इस्तीफे में लिखे गए पत्र के अनुसार भाजपा में नंदकुमार साय का पुछ -परख नहीं होने के चलते भाजपा छोड़ रहे हैं आज उन्होंने छत्तीसगढ़ कांग्रेस का दामन थाम लिया है छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेश नंदकुमार साय के कांग्रेस में शामिल होने से भारी खुशी और उत्साह के साथ स्वागत कर रही है लेकिन सिन्हा ने आगे बताया कि 2017 में छत्तीसगढ़ में टी एस सिंह देव के नेतृत्व में कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिए जिले,कस्बों में सिंह देव ने भारी परिश्रम कर चुनावी घोषणा पत्र तैयार किया जिसमें छत्तीसगढ़ वासियों को लुभावने चुनावी घोषणा पत्र के जरिए सत्ता में आ गए लेकर टी एससिंह देव को क्या पता था कि वह छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे आनंदतोगत्वा टी एस सिंह देव सहित उनके समर्थकों की पूछ परख तो दूर कांग्रेस ने नौकरशाहों के शिकंजे में जकर दिया है ताकि वह भविष्य में चुनाव जीत कर हमें चुनौती ना दे क्या उसी कांग्रेस में नंदकुमार साय पूछ -परख के लिए शामिल हुए हैं?

सिन्हा ने आगे बताया कि जिस तरह से गुजरात में सत्ता पर काबिज रहे शंकर सिंह बघेला ने भाजपा से बगावत कर कांग्रेस का दामन थाम लिया था जब कांग्रेस ने पूछ-परख बंद कर दी तो बघेला जी का राजनीतिक सफर गुजरात में शून्य हो गई इसी तर्ज पर भाजपा नेता नंदकुमार साय का भी भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने पर अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगी।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की यह कविता चरितार्थ हो रही है जिसमें उन्होंने कहा है कि

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो
उसको क्या जो दंतहीन
विषरहित, विनीत, सरल हो

इस तरह अब नंदकुमार साय के भविष्य पर विराम लगता दिखाई दे रहा ।

अवैध रूप से सट्टा खेलते एक व्यक्ति को मोबाइल सहित किया गया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

इन दिनों आईपीएल का खेल चलने से जिले में सट्टा से जुड़े लोगों के भी चांदी हो गई है जिसके चलते ऑनलाइन सट्टा खेलने और खेलवाने से बाज नहीं आ रहे ऐसा ही एक मामला रामपुर सिविल लाइन क्षेत्र में घटित हुआ जब मुखबीर सूचना के आधार पर दिनांक 30/04/2023 को सीएसईबी चौकी पुलिस पेट्रोलिंग एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा टीपी नगर स्थित परी मोबाइल दुकान का मैनेजर चंदन सुंदरानी पिता स्वर्गीय श्री राजकुमार सुंदरानी उम्र 30 वर्ष निवासी रानी रोड कोरबा थाना कोतवाली जिला कोरबा आईपीएल क्रिकेट मैच में रुपयों का दांव लगाकर जुआ खेल रहा है जो आज भी पंजाब और चेन्नई के बीच हो रहे मैच में रुपयों का दांव लगाया है के सूचना पर पुलिस अधीक्षक यू उदय किरण के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्व दीप त्रिपाठी के मार्गदर्शन में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक सनत सोनवानी एवं चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शिवकुमार धारी के नेतृत्व में संयुक्त टीम बनाकर मौके पर रेड कार्यवाही के दौरान चंदन सुंदरानी को पकड़ कर पूछताछ किया ढ्ढ जो ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट मैच में जुआ खेलना स्वीकार किया जिसके कब्जे में रखें वनप्लस मोबाइल को चेक करने पर आईपीएल क्रिकेट मैच में पंजाब और चेन्नई के बीच हो रहे मुकाबले में पंजाब के टीम के पक्ष में ?10000 का गजानन 365 एप पर जुआ खेलना पाया गया तथा बैलेंस 59893 आईडी में जमा होना पाया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 176/23 धारा 07 जुआ अधिनियम का अपराध घटित करना पाया जाने पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया साथ ही दो वनप्लस एंड्राइड मोबाइल भी किया गया जब्त।

विधायक कमरो,कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने बोरे-बासी खाकर श्रमवीरों और छत्तीसगढ़ी आहार व संस्कृति का किया सम्मान

- संवाददाता -
कोरिया,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों से छत्तीसगढ़ के पारम्परिक भोजन बोरे बासी खाने का आव्हान किया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर में सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं भरतपुर-सोनहत के विधायक गुलाब कमरो, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष वेंदाती तिवारी,कलेक्टर विनय लंगेह सहित सहित अधिकारी-कर्मचारियों ने ''बोरे बासी खाकर'' श्रमवीरों और छत्तीसगढ़ी आहार व संस्कृति को सम्मान दिया।

सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के विधायक गुलाब कमरो ने बोरे बासी से जुड़े अपने विचार साझा किए जिसमे उन्होंने बोरे बासी की पौष्टिकता के बारे में बताया और कहा की वह बचपन से ही ग्रीष्म ऋतु में बोरे बासी खाते रहें हैं। साथ ही कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ बोरे बासी खाकर श्रमिकों का मान बढ़ाया। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा की बोरे बासी विटामिन से भरपूर होता है और इसके सेवन से हमे गर्मी में लू से बचने की क्षमता भी मिलती है। इस अवसर पर जिले में विभिन्न जगहों पर बोरे बासी खाने का सामूहिक आयोजन भी किया गया। सभी ने बोरे बासी के साथ नून चटनी, अचार, मिर्च, गोंदली (प्याज) सहित विभिन्न व्यंजनों का भी स्वाद चखा। उल्लेखनीय है कि बोरे बासी छत्तीसगढ़ की प्राचीन भोजन शैली तथा पारम्परिक विरासत है, इसी परंपरा के प्रोत्साहन हेतु जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, आमनागरिकों, मजदूरों, मनरेगा श्रमिकों ने भी बोरे-बासी खाकर प्रदेश के पाम्परिक व्यंजन का मान बढ़ाया।

अवैध कबाड़ गोदाम में एक बार पुनः पुलिस ने मारा छापा

दो दिनों में अवैध कबाड़ लगभग 300 टन वजनी कीमती करीबन 01 करोड़ 60 लाख रूपये का मशरूका जब्त

- संवाददाता -
कोरबा,01 मई 2023 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस टीम द्वारा इन दिनों अवैध कबाड़रियों पर कसा जा रहा नकेल जिसके चलते बीते दो दिनों में एक दूसरा बहुचर्चित कबाड़ गोदाम कुवाँ भट्ठा में पुलिस द्वारा की गई छापामार कार्यवाही जिसमे लगभग 150 टन लोहा 60 लाख रुपए कीमत को किया गया जब्त जिले के पुलिस अधीक्षक यू उदय किरण के द्वारा जिले में सभी किस्म के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सभी थाना / चौकी प्रभारियों सक्त कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में कोरबा जिला में लगातार अवैध गतिविधियों पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 30.04.2023 को मानिकपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि कुवाँभट्ठा में इमरान व अशरफ नामक व्यक्ति अपने कबाड़ यार्ड में भारी मात्रा में चोरी का लोह पाईप, मशीन व लोहे का स्केप रखे हैं जिसे बिक्री करने ले जाने वाले है कि मुखबिर सूचना को पुलिस अधीक्षक यू उदय किरण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी को अवगत करा कर त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में निरीक्षक रूपक शर्मा थाना प्रभारी कोतवाली के अगुवाई में चौकी मानिकपुर व सायबर सेल कोरबा के संयुक्त टीम के साथ मुखबीर के बताये जगह पर रेड कार्यवाही किया गया जहा कबाड़ दुकान का देख-रेख करने वाला शिवशंकर पटेल उपस्थित मिला छापा के दौरान यार्ड में 01 ड्रीलिंग मशीन कटर पार्ट, खान खुदाई का पुराना इस्तेमाली मशीन 2 नग, 03 लोहे का चादर मोटाई लगभग 10 एम0एम0, लम्बाई 4 फिट, चौड़ाई 2.5 फिट वजनी करबीन 80 किलोग्राम कुल 250 नग, 04. पुरानी इस्तेमाली लोहे का पाईप लम्बाई करीबन 6.5 फिट कुल 25 नग 05. पानी बीड पाईप लम्बाई करीबन 7 फिट कुल 25 नग, 06. लोहे का स्क्रेप- गैस सिलेण्डर का कटा हुआ स्केप, ट्रक डीस्क, मो0सा0 डीस्क, कार डीस्क, लोहे का पुराना इस्तेमाली ड्रम, लोहे का कुलर का बाडी, लोहे का पुराना इस्तेमाली राड, लोहे का पाईप, लोहे का जाली, ट्रेलर का चेचिस कटा हुआ, गैस कटर मशीन, गैस कटिंग सिलेंडर, ऑक्सीजन सिलेंडर कुल 150 टन की मशरूका कीमती करीबन 60 लाख रूपये का मिला। उक्त सामानो के संबंध में नोटिस देकर पूछताछ करने पर स्वयं के पास कोई दस्तावेज नही होना एवम् चोरी का सामान खरीदना बताया तथा उक्त सामानो का हिसाब -किताब रामू जायसवाल, इमरान खान व अशरफ खान के पास होना बताया गया जो छापा पड़ने से पूर्व हो गए नौ दो ग्यारह उक्त मशरूका चोरी का पूर्ण संदेह के अंदेश पर समक्ष गवाहान के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया तथा आरोपी शिव शंकर पटेल पिता अखिलेश कुमार पटेल उम्र 23 वर्ष सा0 पड़रिया थाना शिवरीनारायण जिला जांजगीर चांपा हा0मु0 दुरपा रोड फोकट पारा जितेन्द्र जयसवाल का मकान थाना कोतवाली जिला कोरबा का कृत्य धारा 41 (1-4) द0प्र0स0 / 379 भादवि का घटित करना पाये जाने से आरोपी के विरूद्ध में इस्तगासा तैयार कर विवेचना में लिया गया न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। थाना सिविल लाइन रामपुर के अपराध धारा 379 भा द वि के चोरी गये मशरुका लोहे के पाइप को भी बरामद किया गया है । साथ ही अशरफ और इमरान की भी सरगर्मी से पता तलाश जारी है। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही निरीक्षक रूपक शर्मा थाना प्रभारी कोतवाली एवं निरीक्षक सनत सोनवानी प्रभारी सायबर सेल कोरबा एवम पु0स0के मानिकपुर की टीम सउनि अमर जायसवाल, प्र 0 आर0 अवधेश यादव, आर. जय प्रकाश यादव, अशोक पाटले, हितेश राव, संदीप सिंह, रतन राठौर एवं सायबर सेल कोरबा की टीम प्रआर0 गुनाराम सिन्हा, आर0 आलोक टोप्पो, रितेश शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा)सूरजपुर,जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0/ /अ-2/2022-23

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-झुमरपारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो.तबरेज पिता शफीक मो. जाति-मुसलमान, निवासी ग्राम-झुमरपारा, तहसील-सूरजपुर,जिला-सुरजपुर(छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-झुमरपारा, प.ह.न.-22 रा.नि.म.-पचिरा,तहसील-सूरजपुर,जिला-सूरजपुर(छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रं.61रकबा 0.2300हे.में से 0.060 हे. भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में ग्राम-झुमरपारा के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 10.05.2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 26.04.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

भारत-पाक फैंस को लगा बड़ा झटका

इस साल नहीं खेला जाएगा एशिया कप! सामने आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली,01 मई 2023। सितंबर महीने में होने वाले आगामी एशिया कप में खेलने को लेकर भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड के बीच तनातनी अभी भी सुलझने का नाम नहीं ले रही है. एशिया कप-2023 की मेजबानी पाकिस्े तान को मिली है. लेकिन पिछले साल बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ कर दिया था कि टीम इंडिया किसी भी हाल में पाकिस्तान नहीं जाएगी. इसी बीच इस टूर्नामेंट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है जो भारत और पाकिस्तान के फैंस का दिल तोड़ सकता है.

एशिया कप 2023 होगा रद्द!

एशिया कप 2023 के लिए पाकिस्तान बोर्ड ने बीसीसीआई के सामने हाइब्रिड मॉडल का प्रस्ताव रखा है. जिसके अनुसार एशिया कप में भारत के मैच पाकिस्तान से बाहर आयोजित किए जाएंगे. लेकिन बीसीसीआई ने इस प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव पर बनी रहती है, तो फिर एशिया कप इस साल आयोजित नहीं किया जाएगा. इतना ही नहीं रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप कैंसिल होने पर उस विंडो में एक पांच देशों के बीच मल्टी नेशन टूर्नामेंट करवाने का फैसला किया है.

साल 2008 के बाद नहीं किया पाक दौरा

भारतीय टीम साल 2008 के बाद से ही पाकिस्तान खेलने नहीं गई है. 2008 एशिया कप के लिए भारतीय टीम आखिरी बार पाकिस्तान गई थी. दोनों पड़ोसी देशों ने आखिरी बार 2012 में सीमित ओवरों की बाइलेटरल सीरीज खेली थी. जब पाकिस्तान ने तीन टी20 इंटरनेशनल और इतने ही वनडे मैचों के लिए भारत की यात्रा की थी. इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका ने पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान का दौरा किया है. ऐसे में ये उम्मीद की जा रही थी कि टीम इंडिया भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है.

न्यूट्रल वेन्यू पर खेला गया था एशिया कप 2022

एशिया कप 2022 की मेजबानी श्रीलंका को सौंपी गई थी, लेकिन राजनीतिक हालात ठीक नहीं होने की वजह से ये टूर्नामेंट न्यूट्रल वेन्यू यूएई में खेला गया था. ऐसे में बीसीसीआई इस साल भी एशिया कप न्यूट्रल वेन्यू पर पर कराना चाहता है. आपको बता दें एशिया कप 2023 50 ओवर के फॉर्मेट में खेला जाएगा.

सर्जियो पेरेज ने अजरबैजान जीप जीती

बाकू ,01 मई 2023। सर्जियो पेरेज ने सेफ्टी कार की मदद से रेड बुल टीम के साथी मैक्स वेरस्टैपेन को हराकर अजरबेजान ग्रां प्री जीत ली। पेरेज़ और वेरस्टैपेन ने एक लंबी, सपाट लड़ाई लड़ी, जब मैक्सिकन ने सेफ्टी कार के नीचे अपना गड्ढा बंद करके समय बचाने में सक्षम होने के बाद छलांग लगा दी।पेरेज़ के पास वेरस्टैपेन का माप था, समापन चरणों में आगे बढ़ने से पहले उसे लंबे समय तक सिर्फ एक सेकंड पीछे रोककर रखा, और वर्ष की उसकी दूसरी जीत ने डचमैन की चैंपियनशिप की बढ़त को छह अंकों तक कम कर दिया।

फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर - जिन्होंने पोल से दौड़ शुरू की थी, को शुरुआत के बाद दोनों रेड बुल्स द्वारा जल्द ही भेजा गया था, और सुरक्षा-कार अवधि के बाद दूसरी बार वेरस्टैपेन द्वारा - अंतिम पोडियम स्थिति के लिए एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो के साथ एक कड़ी लड़ाई जीती .

सीजन की निराशाजनक और कठिन शुरुआत के बाद लेक्लेर और फेरारी के लिए यह एक बहुत जरूरी प्रोत्साहन था।मोनागास्क के टीम-साथी कार्लोस सैंज ने पांचवां स्थान हासिल किया, लुईस हैमिल्टन की मर्सिडीज को रोकने में सफल रहे, जो सुरक्षा कार के बाद शीर्ष 10 से बाहर हो गई।

हमारे साथ ही नहीं,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चमक बिखेरेगा यशस्वी:संगकारा

मुंबई ,01 मई 2023। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा का मानना है कि यशस्वी जायसवाल बहुत तेजी से सीखते हैं और उनमें इंडियन प्रीमियर लीग की उनकी फ्रेंचाइजी की तरफ से ही नहीं बल्कि भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी चमक बिखेरने की क्षमता है। इक्कीस वर्षीय जायसवाल ने आईपीएल के वर्तमान सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 47.5 की औसत से 428 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। संगकारा ने राजस्थान रॉयल्स की मुंबई इंडियंस के हाथों छह विकेट से हार के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' वहां बेहद प्रतिभाशाली ही नहीं बल्कि कड़ी मेहनत करने वाला खिलाड़ी है। वह तैयारियों में काफी समय लगाता है और नेट्स पर काफी समय बिताता है। ''

उन्होंने कहा,'' उसने तीन से चार साल हमारे साथ बिताए हैं और इससे पता चलता है कि वह अपने काम के प्रति काफी एकाग्र चित्त है और उसके प्रदर्शन से भी इसका पता चलता है।'' जायसवाल ने मुंबई के खिलाफ मैच में 62 गेंदों पर 124 रन बनाए जिसमें 16 चौके और आठ छक्के शामिल हैं। संगकारा ने कहा,'' उसने बेहतरीन बल्लेबाजी की। वह लगभग पूरी पारी के दौरान बल्लेबाजी करता रहा। उसे केवल हमारे साथ ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अभी लंबा सफर तय करना है। उसे राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए लगातार रन बनाते रहने होंगे।'' जायसवाल की शानदार पारी से राजस्थान रॉयल्स में सात विकेट पर 212 रन बनाए लेकिन मुंबई ने टिम डेविड की 14 गेंदों पर नाबाद 45 रन की पारी से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर ने जेसन होल्डर पर लगातार तीन छक्के जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि वह टीम को इस तरह से जीत दिलाने के लिए आतुर थे। डेविड ने कहा,'' मैं टीम को इस तरह से जीत दिलाने के लिए आतुर था इसलिए मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। टीम बेहद रोमांचित है और सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। मैं अपने लिए मौके के इंतजार में था और मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैंने इसका पूरा फायदा उठाया।'' उन्होंने कहा,'' पिछले साल आईपीएल में मेरा पहला अनुभव था और मैं अपना नाम बनाने और टीम में जगह पक्की करने के लिए आतुर था। लेकिन अब मैं जब भी मुंबई इंडियंस की शर्ट पहनता हूं तो उसे जीत दिलाने की कोशिश करता हूं।

जापानी टेबल टेनिस स्टार इशिकावा ने सेवानिवृत्ति की घोषणा की

टोक्यो ,01 मई 2023। जापानी टेबल टेनिस स्टार कासुमी इशिकावा, जिन्होंने लगातार तीन ओलंपिक खेलों में तीन महिला टीम पदक जीते, ने सोमवार को अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की। 30 वर्षीय इशिकावा ने जापानी भाषा में इंस्टाग्राम पर और चीनी भाषा में वीबो पर यह घोषणा की। उसने कहा कि उसने अप्रैल में डब्ल्यूटीटी मकाऊ के बाद इसे छोड़ने का फैसला किया था जब वह 16 के महिला एकल दौर में चीन की चेन मेंग से हार गई थी। 23 साल के खेल करियर ने मुझे अपने जीवन में अनमोल अनुभव दिए हैं,÷ उसने कहा। ÷सात साल की उम्र में टेबल टेनिस खेलना शुरू करना और 14 साल की उम्र से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जापान का प्रतिनिधित्व करना, मुझे बहुत खुशी है कि मेरे कई सपने सच हो गए हैं।÷

इशिकावा, जिन्होंने पांच राष्ट्रीय महिला एकल चैंपियनशिप जीतीं, जब जापानी महिला टीम ने लंदन 2012 में देश का पहला ओलंपिक टेबल टेनिस पदक रजत पदक जीता था, तो वह एक प्रमुख हस्ती थीं। उन्होंने रियो 2016 में महिलाओं का कांस्य पदक जीतने में जापान की मदद की। और टोक्यो 2020 में फिर से सिल्वर।वह चीन में अपने चीनी प्रशिक्षकों और प्रशंसकों के लिए बहुत आभारी थीं। ÷मैंने हाई स्कूल के बाद से कई चीनी कोचों से मुलाकात की है,÷ उसने कहा। ÷मैंने उनसे चीनी संस्कृति और भाषा भी सीखी। मुझे खुशी है कि मैं चीन के प्रशंसकों और दोस्तों के साथ संवाद कर सकता हूं।÷

शीर्ष वरीय अल्कराज और स्वियातेक टूर्नामेंट में आगे बढ़े

मैड्रिड,01 मई 2023। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज और इगा स्वियातेक ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई। पहले दौर में तीन सेट तक जूझने वाले अल्कराज ने दूसरे दौर में 26वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव को6-2, 7-5 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया और इस तरह से अपने खिताब बचाने की उम्मीदों को बरकरार रखा। अल्कराज का अगला मुकाबला 13 वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा जिन्हें उन्होंने पिछले साल फाइनल में हराया था। दो बार के मैड्रिड ओपन चैंपियन ज्वेरेव ने क्वालीफायर ह्यूगो ग्रेनियर को एक घंटे से भी कम समय में 6-1, 6-0 से हराया। महिला वर्ग में स्वियातेक ने बर्नार्डा पेरा पर 6-3, 6-2 से आसान जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला 22वीं वरीयता प्राप्त झेंग किनवेन या 16वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा से होगा। तीसरी वरीय जेसिका पेगुला को मैरी बूजकोवा पर 6-4, 7-6 (2) से जीत दर्ज करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

ईपीएल में शीर्ष पर पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर ,01 मई 2023। एर्लिंग हालैंड के रिकॉर्ड गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम को 2-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करके खिताब जीतने की अपनी उम्मीदें जगा दी। हालैंड के गोल से जहां मैनचेस्टर सिटी ने जीत दर्ज की वहीं हैरी केन के रिकॉर्ड गोल के बावजूद टोटेनहैम को हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी अगले सत्र में चैंपियंस लीग में जगह बनाने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। हालैंड ने इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में अपना 50वां गोल दागा जबकि केन ने प्रीमियर लीग में अपना 208 वां गोल करके नई उपलब्धि हासिल की लेकिन

उनकी टीम टोटेनहैम इसके बावजूद लिवरपूल से 4-3 से हार गई। केन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने वायने रूनी की बराबरी की। अब उनसे आगे केवल एलन शियरर हैं जिन्होंने प्रीमियर लीग में 260 गोल किए थे। हालैंड ने प्रीमियर लीग के एक सत्र में सर्वाधिक 34 गोल करने के शियरर और एंडी कोल के रिकॉर्ड की बराबरी की। शियरर और एंडी कोल ने जहां 42 मैचों के सत्र में यह उपलब्धि हासिल की थी वही वर्तमान सत्र 38 मैचों का है और हालैंड को अभी छह और मैच खेलने हैं। केन जहां टोटेनहैम को अभी तक खिताब नहीं दिला पाए हैं वहीं हालैंड ने सिटी की खिताब जीतने की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं।

श्रीजेश से सीख रहा हूं दबाव कैसे

नई दिल्ली ,01 मई 2023। मार्च में एफआईएच प्रो लीग के दौरान सीनियर भारतीय टीम में जगह मिली, युवा गोलकीपर पवन मलिक का कहना है कि दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना नर्व-रैकिंग था, लेकिन महान पीआर श्रीजेश के साथ काम करने से उन्हें दबाव को संभालने में मदद मिली। राउरकेला में प्रो लीग खेलों में भारत के हालिया नाबाद आउटिंग के दौरान 21 वर्षीय ने अपने कौशल से प्रभावित किया। इस साल की शुरुआत में कृष्ण पाठक अपनी शादी के लिए निजी छुट्टी पर थे, पवन ने विश्व चैंपियंस जर्मनी और शक्तिशाली ऑस्ट्रेलियाई के खिलाफ मार्च में राउरकेला चरण के दौरान वरिष्ठ पक्ष के लिए एक बड़ी भूमिका निभाई।जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना नर्वस था। उन्होंने जिस गति और आक्रमण को अंजाम दिया, वह उससे बहुत अलग था जो मैं आमतौर पर अपने जूनियर दिनों में करता था, उन्होंने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा। लेकिन टीम ने वास्तव में मेरा समर्थन किया और शिविर में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ काफी समय बिताने से मुझे काफी मदद मिली। प्रो लीग में उनके प्रदर्शन की तुलना जर्मनी के स्टार गोलकीपर ज्यां-पॉल डेनबर्ग से की गई, जो उसी उम्र के हैं।

धूम-4 में नेगेटिव रोल निभाएंगे जॉन अब्राहम

यशराज फिल्म्स की 'धूम' हिंदी सिनेमा की बेहतरीन फ्रेंचाइजी में से एक है। 'धूम', 'धूम-2'और 'धूम-3' के बाद खबर है कि यशराज फिल्म्स इस फ्रेंचाइजी की चौथी क़िस्त लेकर आएगा। 2004 में रिलीज हुई 'धूम' के पहले एपिसोड में अभिनेता जॉन अब्राहम ने नकारात्मक भूमिका निभाई थी। 'धूम-2' में ऋतिक रोशन और 'धूम-3' में आमिर खान निगेटिव रोल में नजर आए थे। अब 'धूम-4' में एक बार फिर जॉन को लिया गया है और ऐसी चर्चा है कि वह निगेटिव रोल निभाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक इस साल की शुरुआत में जॉन ने शाहरुख खान स्टारर 'पठान' में अपने दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। लोगों ने जॉन को नेगेटिव रोल में पसंद किया। इसलिए अगर यश राज (वाईआरएफ) फिल्म्स जॉन को धूम फ्रेंचाइजी में वापस लें, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। जॉन पिछले कुछ दिनों से वाईआरएफ के साथ लगातार संपर्क में हैं और उनके साथ कई मीटिंग भी कर चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'पठान' में उनकी भूमिका को निर्माता आदित्य चोपड़ा ने भी सराहा था। उन्होंने यह भी कहा कि वह जॉन को एक बार फिर 'धूम' में देखना पसंद करेंगे।

'धूम' फ्रेंचाइजी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही है। यशराज फिल्म्स ने 2015 में 'धूम-4' की घोषणा की थी, लेकिन उसके बाद से फिल्म को लेकर कोई अपडेट नहीं आया। हालांकि फैंस ने 'धूम-4' में जॉन अब्राहम और ऋतिक रोशन को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने की इच्छा जताई है।

फ्लोरल गाउन पहने ईशा गुप्ता ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता हमेशा अपने बोल्ड लुक्स और स्टाइलिश फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी हर एक तस्वीरों पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो बेहद ही हॉट नजर आ रही हैं। ईशा गुप्ता बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी फिल्म में नहीं दिखाई दे रहीं हो लेकिन आए दिन अपनी हर एक पोस्ट से फैंस को अपना दीवाना बना देती

हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की हॉटनेस देख एक बार फिर से फैंस का दिल मचल गया है। उनकी हर एक तस्वीरों से फैंस की नजरें हट पाना मुश्किल हो जाता है। ईशा गुप्ता ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में फ्लॉवर पैटर्न लुक में डीपनेक गाउन पहना हुआ है जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। ओपन हेयर, लाइट मेकअप लुक और कानों में इयररिंग्स पहन कर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि ईशा गुप्ता को अपनी तस्वीरें शेयर करे कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज को लाइक कर दिया है। एक्ट्रेस ने अपनी इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- फिल्मफेयर नाइट। दरअसल इन दिनों बॉलीवुड का सबसे बड़ा इवेंट फिल्मफेयर अवॉर्ड चल रहा है। जहां हर एक स्टार्स बेहद ही शानदार लुक्स में नजर आ रहे हैं।

2 जून को ही प्रदर्शित होगी जवान

युवा निर्देशक एटली की फिल्म जवान अपनी स्टारकास्ट के बलबूते पर दर्शकों में खासी चर्चा का विषय बनी हुई है। पठान के बाद प्रदर्शित होने वाली शाहरुख खान की इस फिल्म को लेकर बॉक्स ऑफिस कुछ ज्यादा ही आशान्वित नजर आ रहा है। हिन्दी सिनेमा के साथ-साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की बॉक्स ऑफिस की निगाहें भी इस पर हैं, क्योंकि इसमें एक तरफ जहाँ शाहरुख खान के साथ हिन्दी फिल्मों के संजय दत्त और दीपिका पादुकोण शामिल हैं, वहीं दूसरी ओर इस फिल्म में दक्षिण भारत के अल्लू अर्जुन, नयनतारा, विजय सेतुपति सरीखे कलाकार अपना जलवा बिखरते नजर आएंगे। 5 सप्ताह बाद यह फिल्म प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि यह 2 जून के स्थान पर 2 अक्टूबर गाँधी जयंती अवकाश सप्ताह में प्रदर्शित होगी, लेकिन फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने पुष्टि की है कि जवान को किसी भी तरह से स्थगित नहीं किया गया है। फिल्म के स्थगित होने के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन फिल्म निर्माताओं द्वारा पिछले साल तय की गई तारीख यानी 2 जून, 2023 से आगे नहीं बढ़ रही है।

विनायक चतुर्थी महोत्सव सप्ताह में प्रदर्शित होगी रजनीकांत की जेलर

वर्ष 2021 की शुरूआत में अन्नात्थे के जरिये दर्शकों के सामने आए सिने इतिहास के सुपर सितारों में शामिल रजनीकांत दो साल बाद एक बार फिर से अपने दर्शकों के सामने रूबरू होने आ रहे हैं। रजनीकांत अपनी अगली फिल्म जेलर को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। जेलर को नेल्सन दिलीप कुमार ने निर्देशित किया है, जो इससे पहले थलपति विजय के साथ दर्शकों को बीस्ट दे चुके हैं। हालांकि थलापति विजय अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वो जादू नहीं जगा पाई थी, जिसके लिए थलापति जाने जाते हैं। बताया जाता है कि बीस्ट की असफलता के बाद नेल्सन दिलीप कुमार की कहानी पर कोई सितारा काम करने का तैयार नहीं था, लेकिन रजनीकांत ने उन पर भरोसा जताया और इस तरह से रजनीकांत जेलर की भूमिका में आ गए।

नेल्सन द्वारा निर्देशित एक्शन फिल्म हाल के दिनों में रजनीकांत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है। फिल्म का निर्माण हैदराबाद, चेन्नई और केरल सहित देश के विभिन्न हिस्सों में किया गया है। जेलर में रजनीकांत के अतिरिक्त मोहनलाल, शिवा राजकुमार, रम्या कृष्णन और प्रियंका मोहन सहित अन्य कलाकारों की एक विशाल टुकड़ी है। रजनीकांत ने फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और फिल्म इस अगस्त में विनायक

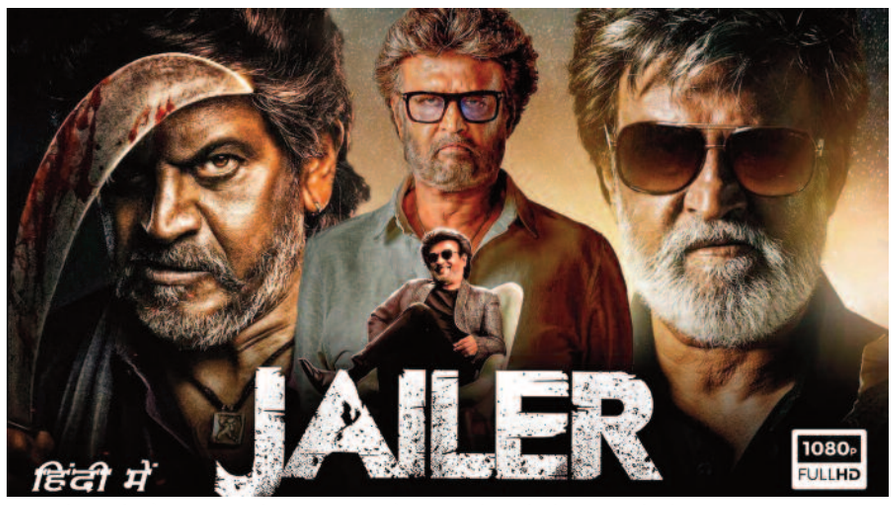

चतुर्थी महोत्सव के दौरान प्रदर्शित होगी। यह पहला मौका होगा जब दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग के दो सुपर सितारे रजनीकांत और मोहनलाल एक साथ एक ही फिल्म में नजर आएंगे। इन दोनों को एक साथ परदे पर देखने का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसकों को आने वाले दिनों में निर्माताओं से आधिकारिक रिलीज की घोषणा और प्रचार सामग्री की उम्मीद है।

जेलर इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है जिसमें किसी भी फिल्म के लिए सितारों से सजी सबसे बड़ी कास्ट शामिल है। जेलर इसलिए भी खास है क्योंकि लगभग दो साल बाद रजनीकांत की यह पहली रिलीज है और प्रशंसक बड़े पर्दे पर अपने पसंदीदा स्टार की एक झलक पाने के लिए बेताब हैं। जेलर एक उच्च सुरक्षा वाली जेल की सीमा के भीतर स्थापित एक एक्शन थ्रिलर होने की उम्मीद है, जहां रजनीकांत एक सख्त वार्डन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्देशक नेल्सन द्वारा लिखी गई कथा-पटकथा पर है, जो अपने डार्क कॉमेडी टोन और सुपर स्टार व्यक्तित्व के अनूठे उपयोग के लिए जाने जाते हैं। अब यह देखने के लिए उत्सुकता होगी कि वह रजनीकांत को पर्दे पर कैसे पेश करते हैं। नेल्सन अपने नायकों को उनके चेहरे के भावों के माध्यम से स्थिर, निष्क्रिय पर्यवेक्षकों के रूप में प्रस्तुत करने के लिए को जाना जाता है । फिल्म के लिए जारी किए गए टीजर में, हम रजनीकांत के चरित्र के साथ एक समान पैटर्न का पता लगा सकते हैं।

फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत होगा, जबकि कैमरा वर्क विजय कार्तिक का होगा। जेलर का संपादन बीस्ट फेम आर निर्मल करेंगे और बड़े बजट की इस फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है। फिल्म को अखिल भारतीय फिल्म बनाने की योजना के तहत इसमें क्षेत्रीय भाषा के अन्य कलाकारों को लिया गया है।

दुर्घटना मृत्यु में अब सहायता राशि पांच लाख रूपए

- दिव्यांगता की स्थिति में मिलेगी ढाई लाख की राशि
- अपंजीकृत श्रमिकों को भी दुर्घटना मृत्यु पर मिलेगा एक लाख रुपए
- 50 किमी तक की रेल-बस यात्रा में जारी होगा मासिक टिकट कार्ड
- नवीन आवास क्रय अथवा निर्माण के लिए निर्माण श्रमिकों को मिलेगा 50 हजार रुपए का अनुदान
- श्रमिक संसाधन केन्द्र पाटन और आरंग में,श्रमिकों की सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 07713505050 का शुभारंभ किया

रायपुर, 01 मई 2023 (ए)। अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर साइंस कालेज मैदान रायपुर में आयोजित श्रम सम्मेलन के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने श्रमिक हितों में बड़ी घोषणाएं की। उन्होने कार्यस्थल पर दुर्घटना मृत्यु में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के परिजनों को मिलने वाली सहायता राशि एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने तथा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में इन्हें देय राशि 50 हजार से बढ़ाकर ढाई लाख रुपए करने की घोषणा की। साथ ही अपंजीकृत श्रमिकों को भी कार्यस्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर एक लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया, संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, संजारी बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती किरणमयी नायक, पूर्व सांसद श्री नंद कुमार साय और छाया वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर मंथली सीजन टिकट कार्ड योजना की घोषणा की। इसके अंतर्गत जो पंजीकृत निर्माण श्रमिक अपने घर से रेल अथवा बस से कार्यस्थल तक यात्रा करते हैं। उनके लिए मासिक टिकट कार्ड एमएसटी जारी किया जाएगा, यह कार्ड 50 किमी तक की यात्रा के लिए हो सकेगा। इसका संपूर्ण व्यय छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल वहन करेगा। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सहायता योजना की घोषणा भी की। इसके अंतर्गत निर्माणी श्रमिकों को नवीन आवास निर्माण अथवा क्रय के लिए 50 हजार रुपए का अनुदान प्रदाय किया जाएगा। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता

योजना की घोषणा भी उन्होंने की। इसमें हार्ट सर्जरी, लीवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, न्यूरो सर्जरी, रीढ़ की हड्डी की सर्जरी, पैर के घुटने की सर्जरी, कैंसर, लकवा जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में शासन की स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के अतिरिक्त भी 20 हजार रुपए का अनुदान निर्माणी श्रमिकों को मिल सकेगा।

इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 56 करोड़ रुपए से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों को हस्तांतरित की जा रही है। हम लोग श्रमिकों के खाते में सीधे राशि का हस्तांतरण कर रहे हैं ताकि वे अपने जरूरत की सामग्री क्रय कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोगों की वजह से ही छत्तीसगढ़ समृद्धि की राह पर है। जब दुनिया लाकडाउन से जूझ रही थी। उस वक्त भी आप लोग छत्तीसगढ़ में अपनी मेहनत का पसीना बहा रहे थे। आप लोगों की वजह से ही कोरोना संकट के बावजूद छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था स्थिर रही। उन्होंने कहा कि बोरे बासी श्रम से जुड़ा आहार है। हमारी परंपरा है। जब खेतों में हमारे भाई अपने श्रम का पसीना बहाकर सुस्ताते हैं तब बोरे बासी उन्हें शीतलता प्रदान करता है।

राज्य स्तरीय श्रम सम्मेलन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की घोषणा

नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री डा. शिव कुमार डहरिया ने कहा कि पिछले चार वर्षों में श्रम विभाग ने 13 नई योजनाएं जारी की हैं और इसके माध्यम से श्रमिकों को 172 करोड़ रुपए की सहायता राशि दी गई है। आज श्रमिकों की सहायता के लिए विभाग हेल्प लाइन नंबर भी जारी कर रहा है। कोंडागांव विधायक श्री मोहन मरकाम ने कहा कि श्रमिक कल्याण के लिए सरकार ने पिछले चार सालों में बड़ा काम किया है जिससे छत्तीसगढ़ समृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री शफी अहमद एवं भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष श्री सुशील सन्नी अग्रवाल, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन ने भी संबोधित किया। सचिव श्री अमृत खलखो ने विस्तार से योजनाओं की जानकारी दी।

मैं मुख्यमंत्री हंव छत्तीसगढ़ के, बताव कार्ड कइसे बनिहि श्रमिक मन के- मुख्यमंत्री ने इस मौके पर श्रमिकों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया। टोल फ्री नंबर 07713505050 पर काल कर श्रमिक श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं तथा अपनी समस्याएं भी रख सकते हैं। श्रमिक सहायता केंद्र के शुभारंभ के मौके पर मुख्यमंत्री ने वीसी से पहला फोन किया। मुख्यमंत्री ने फोन से पूछा। मैं मुख्यमंत्री हंव छत्तीसगढ़ के, बताव कार्ड कइसे बनिहि श्रमिक मन के। उधर से जवाब दिया गया। फिर मुख्यमंत्री ने एक और सवाल पूछा कि इससे क्या क्या लाभ मिलेगा। फिर विस्तार से जानकारी उन्हें दी गई। इस मौके पर श्रम संसाधन केंद्र पाटन और आरंग में भी आरंभ किया गया।

हितग्राहियों को डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की गई राशि- मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग के हितग्राहियों को राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की और प्रतीकात्मक रूप से इस राशि का चेक सौंपा। उन्होंने इस मौके पर 56 करोड़ रुपए की विभिन्न श्रमिक योजनाओं की राशि हस्तांतरित की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्रमिक कल्याण के लिए अच्छा कार्य कर रहे लोगों को सम्मानित भी किया। साथ ही श्रमिक सुरक्षा में अच्छा कार्य करने के लिए एसीसी और अल्ट्राटेक को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने दो महिला श्रमिकों को ई-रिक्शा वितरित किए

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दो महिला हितग्राहियों को ई-रिक्शा वितरित किए, इनमें श्रीमती राधिका देवांगन लाखे नगर एवं श्रीमती वैष्णवी सिंदूर शामिल हैं। निर्माण श्रमिक ई रिक्शा सहायता योजना के तहत निर्माण महिला श्रमिकों को यह रिक्शा प्रदान किया गया है। इस योजना में एक लाख रुपये का अनुदान शामिल है। इस मौके पर श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, विधायक श्री मोहन मरकाम, पूर्व सांसद श्री नंदकुमार साय सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

साइंस कॉलेज मैदान में श्रम विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई इनमें मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता योजना, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य समाजिक सुरक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इसके जरिए श्रमिकों के हित में चलाई जा रही योजनाओ एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के साथ बैठकर लिया बोरे-बासी का स्वाद

- श्रमिकों ने कहा-जीवन का सबसे यादगार दिन, छत्तीसगढ़िया श्रमिक संस्कृति को विश्वभर में दिलाई पहचान
- मुखिया से सम्मानित होकर अभिभूत हुए श्रमिक बोले - छत्तीसगढ़ सरकार श्रमिक हितैषी
- अचार,चटनी, भाजी,बड़ी-बिजौरी और गोंदली के साथ बोरे-बासी तिहार में हुआ सामूहिक भोज
- छत्तीसगढ़िया श्रमिकों की संस्कृति का अहम हिस्सा है बोरे बासी : मुख्यमंत्री श्री बघेल

रायपुर,01 मई 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ आज बोरे-बासी खाने वाले श्रमिकों ने बताया कि यह उनके जीवन का यादगार दिन है। प्रदेश के मुखिया ने श्रम और श्रमिकों को सम्मान देकर इस दिन को चिरस्मरणीय बना दिया है। बोरे बासी तिहार में शामिल होने आए श्रमिक श्री तुलसीराम सिन्हा ने बताया कि बोरे-बासी जीवन का अभिन्न हिस्सा है और मजदूर के जीवन की कल्पना इसके बिना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि श्रमिक हितैषी मुख्यमंत्री ने इस दिन को खास बनाया और बोरे-बासी को वैश्विक पहचान दिलाई। बोरे-बासी अब केवल मजदूर का भोजन नहीं है बल्कि अब सभी वर्गों के लोग इसे बड़े चाव से खाते है। इसके पौष्टिक गुणों को दुनिया जानने लगी है।

इसी प्रकार श्रमिक श्रीमती संतोषी पाल ने भी प्रदेश के मुखिया के साथ बोरे-बासी का आनंद लिया। उन्होंने बताया कि मजदूरों के लिए बोरे-बासी

सभी मामलों में बहुत किफायती होने के साथ ही अत्यंत पौष्टिक आहार है। रात को भिगाओ और यह सुबह तैयार मिलता है। मजदूर को सुबह जल्दी काम में जाना पड़ता है, ऐसे में बासी अच्छा विकल्प है,जो थोड़े ही प्रयास में बन जाता है। मजदूर के जेब पर भी यह भारी नहीं पड़ता है और इसे आचार, चटनी के साथ आसानी से खाया जा सकता है।

बोरे-बासी तिहार में पहुंचे श्रमिक श्री परमेश्वर सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश की छत्तीसगढ़िया संस्कृति ने अपने वास्तविक गौरव को पाया है। श्रमिक दिवस के अवसर पर बोरे-बासी तिहार भी छत्तीसगढ़िया संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम सभी मजदूर खुश हैं। बोरे-बासी का महत्व एक मजदूर सहज ही समझ सकता है। शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ पानी की कमी को दूर करता है और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर बहुत सकारात्मक है।

छत्तीसगढ़ में कई पदों पर होगी बंपर भर्ती

- इन अभ्यर्थियों को मिलेगा 58 प्रतिशत आरक्षण का लाभ,नोटिफिकेशन जल्द

रायपुर, 01 मई 2023(ए)। कैबिनेट से स्वीकृत हो चुके ऐसे पदों की जानकारी हम आपको देने वाले है, जिसका आने वाले समय में आपको नोटिफिकेशन देखने को मिलेगा। इन पदों के लिए भर्ती परीक्षा आपको सीजीव्यापम और सीजीपीएससी के माध्यम से किया जाना है। लेकिन इन सभी भर्तियों को आरक्षण के फैसले का इंतजार था और अब सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर हाईकोर्ट की ओर से लगी रोक को हटा दिया है और कहा है कि जल्द से जल्द भर्ती और प्रमोशन का नोटिफिकेशन जारी किया जाए।

प्रदेश के लाखों युवा को जिस भर्ती की बेसब्री से इंतेजार है वो है शिक्षक भर्ती। इसमें सबसे ज्यादा 12500 पदों पर भर्ती की जाएगी। बीएड और डीएड पास युवा जो शिक्षक बनना चाहते हैं, वो इस पद के लिए योग्य होंगे। वहीं सहायक प्राध्यापक और प्राध्यापक के भी 1800 पद स्वीकृत हैं। मेडिकल फील्ड से जुड़े युवाओं के लिए डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के 3500 पद, होम गार्ड के भी 1600 पद आने वाले हैं। पुलिस सब इंस्पेक्टर के 1000 पदों पर भी भर्ती होनी है। वेटनरी फील्ड ऑफिसर के 150 पद है।

वहीं, मत्स्य निरीक्षक के 150 पद, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड में 40 पद तथा स्नातक पास युवाओं के लिए विभिन्न विभाग में संयुक्त भर्ती परीक्षा के आधार पर 200 पदों पर भर्ती की जाएगी। वनरक्षक के 600, वन परिक्षेत्र अधिकारी के 70 पद, आयुष विभाग में 1431, महिला एवं बाल विकास विभाग में पर्यवेक्षक के 300 पद आने है, पीएससी के 210 पद ,व्यवहार नयायाधीश के 48 पद व अन्य विभागों में 1500 पदों पर भर्ती का प्रस्ताव है।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव होना। इसलिए भर्ती की प्रक्रिया 6 महीने में ही पूरी कर ली जाएगी। व्यापमं और सीजीपीएससी के पद पहले से सृजित है, अन्य विभागों ने भी अपने प्रस्ताव बना रखे है। आरक्षण विवाद में देरी की स्थिति में बिना आरक्षण रोस्टर के ही पदों का विज्ञापन देखने को मिल सकता है। वहीं आरक्षण की स्थिति साफ होते ही पदों का वर्गवार विभाजन किया जाएगा।

भारतीय वन सेवा के चार अधिकारियों की हुई नवीन पदस्थापना

रायपुर,01 मई 2023 (ए)। राज्य शासन द्वारा भारतीय वन सेवा के चार अधिकारियों की नवीन पदस्थापना की गई है। इनमें सुधीर अग्रवाल को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य आयोजना) से प्रधान मुख्य वन सरंक्षक (वन्यप्राणी एवं जैव विविधता संरक्षण) सह मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक के पद पर नवीन पदस्थापना दी गई है। इसी तरह तपेश कुमार झा को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास/योजना) से प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लि. के पद पर, संजय कुमार ओझा को प्रधान मुख्य वन संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान से प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य आयोजना) के पद पर और अनिल कुमार राय को प्रधान मुख्य वन सरंक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ से प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) के पद पर नवीन पदस्थापना दी गई है। इस आशय का आदेश मंत्रालय (महानदी भवन) नवा रायपुर अटल नगर स्थित वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से आज 1 मई को जारी कर दिया गया है।

पसरखेत में फिर मिला 14 फिट लंबा किंग कोबरा

कोरबा, 01 मई 2023(ए)। जिले के ग्राम पसरखेत में एक बार फिर 14 फिट लंबा किंग कोबरा मिला है. ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग के बीट गार्ड को दी. जिसके बाद वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम को भी सूचना दी गई. रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को वहां से हटाया. करीब 1 घंटे के बाद किंग कोबरा जब आम के पेड़ से नीचे उतरा तब रेस्क्यू टीम ने किसी तरह कोबरा को पकड़ा। टीम ने सांप को पकड़कर उसे सुरक्षित ढंग से वन विभाग के अधिकारियों के सामने जंगल में छोड़ा गया. तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली. इस रेस्क्यू टीम को लीड कर रहे जितेंद्र सारथी में घटनाक्रम की जानकारी दी।

कांग्रेस के हो गए नंदकुमार साय

- भूपेश बघेल ने कही ये बड़ी बात,साय ने बीजेपी को लेकर किया ये खुलासा

रायपुर,01 मई 2023 (ए)। पूर्व सांसद और आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम साय को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई है। बता दें कि आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने कल यानि रविवार को बीजेपी से इस्तीफा दिया है।

रविवार को बीजेपी से इस्तीफा देने के बाद आज कांग्रेस में शामिल हो गए। भूपेश बघेल ने कहा,आज अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस है। और ऐसे समय में जिन्होंने गरीबों और आदिवासियों के लिए संघर्ष किया। ऐसे नंद कुमार साय आज कांग्रेस में शामिल हुए हैं। इसलिए उन्हें बधाई देता हूं। वह सच्चे आदिवासी नेता हैं।

भाजपा में परिस्थितियां बदलीं हुई नजर आती हैं...

इस अवसर पर नंदकुमार साय ने कहा- मुझे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ काम करने का अवसर मिला। अटलजी से प्रभावित रहा, उन्हें फालो करता रहा। आज मुझे लगता है अटल- आडवाणी

की पार्टी वैसी नहीं रही। अब भाजपा में परिस्थितियां बदलीं हुई नजर आती हैं।

साय ने अपने त्यागपत्र में आरोप लगाया कि उनके सहयोगी साजिश रच रहे थे। अचानक साय के इस्तीफे से बीजेपी में हड़कंप मचा हुआ है। भूपेश बघेल ने कहा, नंदकुमार साय का जीवन बहुत सादगी भरा है। वे अनाज तो खाते हैं लेकिन नमक नहीं खाते। पूरा जीवन आदिवासियों की सेवा के लिए संघर्ष किया। गरीबों के लिए लड़ते रहे। हमारी सरकार बनने के बाद आदिवासियों के हित में लिए गए निर्णय पर नंदकुमार साय सार्वजनिक रूप से हमारे कामों की प्रशंसा करते रहे हैं।

बीजेपी के सीनियर नेता विष्णु देव साय और संगठन महामंत्री पवन साय समेत कुछ और नेता नंदकुमार साय के निवास पहुंचकर उनसे मुलाकात करने का प्रयास किया। लेकिन उन्हें जानकारी दी गई कि, वह दिल्ली में हैं। जब उनसे फोन से संपर्क करवाने को कहा गया तो कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। निवास पर नंद कुमार साय के बेटे से मुलाकात हुई, औ फिर बीजेपी नेता लौट गए।

आदिवासी नेता साय ने अपने इस्तीफे में लिखा है, मुझ पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। मेरी गरिमा को लगातार ठेस पहुंचाई जा रही है, जिससे मैं आहत महसूस कर रहा हूं। उन्होंने अपना इस्तीफा स्वीकार करने का आग्रह करते हुए कहा था कि बहुत गहराई से विचार करने के बाद मैंने बीजेपी में अपने सभी पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया।

चार दशक से ज्यादा पुराना नाता बीजेपी से तोड़ा

तीन बार के लोकसभा सांसद और तीन बार के विधायक साय पूर्व में छत्तीसगढ़ और अविभाजित मध्य प्रदेश दोनों में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। साय ने अपने त्यागपत्र में आरोप लगाया कि उनके सहयोगी साजिश रच रहे थे। और उनकी छवि खराब करने के लिए झूठे आरोप लगा रहे थे। जिससे उन्हें बहुत दुख हुआ।

दलालों के झांसे में आकर दूसरे प्रदेशों में काम के लिए न जाएं मजदूर

रायपुर/जगदलपुर, 01 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ कर्मकार संघ व अन्य संगठनों द्वारा टाउन क्लब मैदान पर श्रम दिवस के कार्यक्रम में जुटे श्रमिकों से मुख्य अतिथि बस्तर के सांसद दीपक बैज ने आव्हान किया है कि वे दलालों के झांसे में आकर तथा अधिक मजदूरी के लालच में दीगर प्रदेशों में काम करने न जाएं। दूसरे राज्यों में क्योंकि मजदूरों का बहुत ज्यादा शोषण होता है। श्री बैज ने जगदलपुर के विधायक रेखचंद जैन को सबसे ज्यादा मेहनत करने वाला विधायक बताया।कार्यक्रम में मौजूद श्रमिक नेताओं और मजदूरों को संबोधित करते हुए सांसद श्री बैज ने कहा कि मजदूर दिवस आपका व आपके परिश्रम के सम्मान का दिवस है। आप खून पसीना बहाकर घर, सड़क बनाते हैं। पुल पुलिया मशीन से बन सकते हैं, लेकिन वहां भी मजदूरों की जरूरत पड़ती ही है। हर काम में मजदूर की जरूरत होती है। प्रत्येक काम मशीनों से संभव नहीं है। छग सरकार मजदूरों के हित के प्रति सजग है। घटना- दुर्घटना पर मुआवजा का प्रावधान भी है। कुशल, अर्ध कुशल व अकुशल मजदूरों के लिए पारिश्रमिक की दरें अलग-अलग हैं। सांसद बैज ने कहा कि मजदूर भी भगवान विश्वकर्मा के अंश हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में हमारे बस्तर के जनप्रतिनिधि सजग हैं। पलायन के मामले जब भी सामने आए हैं, उन्होंने पूरा ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि बस्तर के श्रमिक बाहरी प्रदेशों में मजदूरी के लालच में काम पर न जाएं क्योंकि वहां आपका शोषण होता है। मजदूर दिवस की बधाई देते विलंब से आने के लिए उन्होने खेद भी जताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते नगरीय प्रशासन व श्रम विभाग के संसदीय सचिव तथा जगदलपुर के विधायक रेखचंद जैन ने कहा कि आज पूरे विश्व में मजदूर दिवस मनाया जा रहा है। विकास के असल शिल्पी वास्तव में मजदूर ही होते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में मजदूरों के श्रम को मान देने छत्तीसगढ़ में दो साल से लगातार 1 मई को बोरे बासी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। श्री जैन ने कहा कि मजदूरों का पंजीयन अवश्य होना चाहिए, राज्य सरकार इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि श्रम कार्यालय में समस्त ठेकेदारों का पंजीयन होना जरूरी है।

बोरे बासी खाने में भाजपाईयों को शर्म क्यों आती है:कांग्रेस

रायपुर, 01 मई 2023(ए)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बोरे बासी खाने में भाजपाईयों को शर्म क्यों आती है? भाजपा को छत्तीसगढ़ की संस्कृति खानपान से इतनी नफरत क्यों? श्रम दिवस के अवसर पर श्रमिकों के सम्मान में पूरा प्रदेश बोरे बासी खाकर छत्तीसगढ़ की संस्कृति खान-पान का उत्सव मना रहे है। लेकिन भाजपाई बोरे बासी का उपहास उड़ा कर एक बार और अपने छत्तीसगढ़िया विरोधी चरित्र को प्रदर्शित किया है।

सोशल मीडिया में भाजपा और भाजपा से जुड़े लोगों ने सिर्फ बोरे बासी की बुराई की है। किसी भी भाजपा के बड़े नेता ने बोरे बासी खाते हुए अपनी तस्वीर शेयर नहीं की है, बल्कि उपहास उड़ाते टीका टिप्पणी और कमेंट करने का काम किया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)